● वर्ष-4

● अंक-157

रायपुर, रविवार
09 फरवरी 2025

● पृष्ठ-8

● मूल्य-3 रु.

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6» रकुल प्रीत संग काम को लेकर बोलीं भूमि

दिल्ली में बीजेपी की आंधी, कांग्रेस जीरो

कुल सीट - 70, बहुमत - 36

पार्टी	जीते	कुल (+/-)	2020
भाजपा	48	48(40)	8
आप	0	22(-40)	62
कांग्रेस	0	0(0)	0
अन्य	0	0(0)	0

नईदिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में 26 साल बाद भाजपा ने प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की है। आम आदमी पार्टी (आप) का चौथी बार सरकार बनाने का सपना चकनाचूर हुआ है। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और दूसरे नंबर के नेता मनीष सिसोदिया समेत कई दिग्गज चुनाव हार गए हैं। सीएम आतिशी भी बमुश्किल अपनी सीट बचा पाईं। कुछ बेहतर की उम्मीद लगाए बैठी कांग्रेस की फिर दुर्गति हुई है और पार्टी का लगातार तीसरे चुनाव में खाता तक नहीं खुल पाया है। इसके साथ ही अयोध्या जिले की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर हुए उप चुनाव में एक बार फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का करिश्मा देखने को मिला। मिल्कीपुर उप चुनाव में सिपहसलारों की मदद से भाजपा को भारी मतों से जिताकर योगी ने कुशल संगठनकर्ता होना साबित किया है। लगातार तीन बार सरकार बना चुकी आम आदमी पार्टी यहां जीत का चौका लगाने के इरादे से चुनावी मैदान में उतरी थी, लेकिन भाजपा ने चौंकाते हुए उसे सत्ता में आने से रोक दिया। दिल्ली की 70 सीटों पर 5 फरवरी को मतदान हुआ था। 14 में से 12 एग्जिट पोल्स में भाजपा की सरकार बनाने का अनुमान जताया गया था, जो सही साबित हुआ। भाजपा ने 48 सीटें जीतीं, जो पिछली बार उसकी जीती हुईं सीटों से 40 ज्यादा है। वहीं, आम आदमी पार्टी को 40 सीटों का नुकसान हुआ और वह 22 पर थम गई। जिस पार्टी के लिए नतीजे नहीं बदले, वो है कांग्रेस। दिल्ली के लगातार तीसरे विधानसभा चुनाव में वह खाता नहीं खोल पाई।

भाजपा की जीत के खास बिंदु क्या रहे

भाजपा ने मुखरता के साथ चुनाव लड़ा। शीशमहल, यमुना का पानी, शराब घोटाला और आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं को जेल जैसे मुद्दों पर पार्टी ने आम आदमी पार्टी को जमकर घेरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने %आप% को %आपदा% करार दिया। भाजपा ने मुफ्त की योजनाओं को भी अपने चुनावी घोषणा पत्र में शामिल किया। यानी भाजपा ने आम आदमी पार्टी को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जब नतीजे सामने आए तो भाजपा को 45.56त्न वोट मिले, जो 2020 के 38.7त्न वोट से ज्यादा थे। सबसे ज्यादा चर्चा प्रवेश साहिब सिंह वर्मा की रही, जिन्होंने नई दिल्ली विधानसभा सीट से आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल को हरा दिया। उनके खिलाफ कांग्रेस से संदीप दीक्षित भी मैदान में थे।

हार के मुख्य बिंदु

शराब घोटाला मामले में खुद केजरीवाल की गिरफ्तारी और जेल से आम आदमी पार्टी का नेतृत्व कमजोर हो गया। साथ ही शीशमहल और यमुना के पानी में जहर जैसे मुद्दों पर पार्टी घिर गई। पार्टी कुछ नेताओं के बगावती तेवरों को भी नहीं रोक सकी। नतीजा यह रहा कि केजरीवाल अपनी सीट नहीं बचा पाए। मनीष सिसोदिया इस बार पटपड़गंज की जगह जंगपुरा से मैदान में थे, लेकिन वे भी हार गए। सौरभ भारद्वाज, सत्येंद्र जैन, राखी बिड़लान पहली बार चुनाव लड़ रहे अवध ओझा को भी हार का सामना करना पड़ा। बड़े नेताओं में सिर्फ निवर्तमान मुख्यमंत्री आतिशी और मंत्री गोपाल राय अपनी सीट बचा सके।

किसने क्या कहा?

शराब घोटाले ने दिल्ली को बदनाम किया। कोरोनाकाल में आप-दा वाले शीशमहल बना रहे थे। उन्होंने घोटाले छिपाने के लिए साजिशें रचीं। हम पहले विधानसभा सत्र में सीएजी की रिपोर्ट सदन में रखेंगे। भ्रष्टाचार की जांच होगी। लूटने वालों को लौटाना होगा। ये मोदी की गारंटी है। दिल्ली के जनादेश से ये भी साफ है कि राजनीति में शॉर्टकट, झूठ-फरेब के लिए कोई जगह नहीं है। जनता ने शॉर्टकट वाली राजनीति का शॉर्ट सर्किट कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

हम जनता के फैसले को विनम्रता से स्वीकार करते हैं। मैं भाजपा को इस जीत के लिए बधाई देता हूं। मुझे उम्मीद है कि वे उन उम्मीदों पर खरे उतरेंगे, जिसके साथ लोगों ने उन्हें बहुमत दिया है। लोगों ने हमें जो 10 साल दिए, उसमें हमने शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी आदि के क्षेत्र में काम किया। अब लोगों ने जो फैसला हमें दिया है, उसके साथ हम न केवल रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएंगे, बल्कि जनता की सेवा करते रहेंगे। मैं आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को बहुत शानदार चुनाव लड़ने की बधाई देता हूं।

अरविंद केजरीवाल

हम दिल्ली के जनादेश को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं। राज्य के सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उनके समर्पण और सभी मतदाताओं को उनके समर्थन के लिए हार्दिक धन्यवाद। हालांकि, कांग्रेस को दिल्ली में तीसरी बार चुनावी हार का सामना करना पड़ा और पार्टी 70 सदस्यीय विधानसभा में एक भी सीट नहीं जीत सकी। पार्टी ने प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में भी करारी हार झेली। इसके अलावा, कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनाव में भी दिल्ली में कोई सीट नहीं जीती, जिसे उसने आप के साथ गठबंधन में लड़ा था।

राहुल गांधी

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के लोगों ने उनमें विश्वास जताया है।

रायपुर, जगदलपुर में मुख्यमंत्री साय का रोड शो

कहा- नगर निगम चुनाव में बीजेपी को जिताकर बनाएं ट्रिपल इंजन सरकार

जगदलपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आज जगदलपुर में भाजपा का ऐतिहासिक और अभूतपूर्व रोड शो आयोजित हुआ, जिसमें भारी जनसमर्थन देखने को मिला. एयरपोर्ट से शुरू हुए इस भव्य रोड शो में भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने पूरे जोश के साथ भाग लिया. कमल के झंडों से सजी सड़कों पर उमड़े जनसैलाब ने भाजपा की प्रचंड जीत का संकेत दे दिया.

मुख्यमंत्री साय ने जनता से अपील करते हुए कहा कि 11 फरवरी को कमल का बटन दबाकर भाजपा को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाएं और महापौर प्रत्याशी संजय पांडे सहित सभी 48 वार्डों के पार्षद प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाकर ट्रिपल इंजन सरकार का लाभ जगदलपुर को दिलाएं. उन्होंने कहा कि जैसे विधानसभा और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को सबक सिखाया गया, वैसे ही नगर निगम चुनाव में भी भाजपा को जिताकर कांग्रेस को मजा चखाना है.

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भाजपा ने अटल विश्वास पत्र जारी किया है और उसमें किए गए हर वादे को पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ पूरा किया जाएगा. उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनते ही मात्र 13 महीनों में विकास की गंगा बहाई गई है, जिससे जनता का भाजपा पर विश्वास और मजबूत हुआ है.

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने नगरीय निकायों के विकास के लिए 7,000-8,000 करोड़ से अधिक की राशि जारी की है, जिससे शहरों का समग्र विकास सुनिश्चित होगा. उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि आने वाले वर्षों में 3 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास बनाए जाएंगे, नजूल भूमि पर बसे परिवारों को मालिकाना हक देने के लिए नया कानून लाया जाएगा, महिलाओं के नाम पर संपत्ति कर में 25त्न की छूट मिलेगी, समय पर बिजली बिल और संपत्ति कर भरने वालों को पीएम आवास योजना का लाभ मिलेगा, स्व-सहायता समूह की महिलाओं को 2.5 लाख तक का बिना गारंटी लोन, स्ट्रीट वेंडर्स को 30,000 की आर्थिक सहायता और यूपीएससी पास करने वाले छात्रों को महापौर सम्मान निधि के तहत 1 लाख की सहायता दी जाएगी.मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के तहत प्रदेश में अभूतपूर्व योजनाएं लागू की गई हैं, जिनका लाभ जनता को सीधे मिल रहा है. 18 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिला है, धान का समर्थन मूल्य 3100 प्रति क्विंटल तय किया गया है और प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी हो रही है.

प्रमुख समाचार

घरेलू हिंसा के मामलों में संवेदनशीलता अत्यंत जरूरी

नईदिल्ली। घरेलू हिंसा के मामलों को अत्यधिक संवेदनशीलता के साथ संभालने की जरूरत पर गौर करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि किसी आरोपी के परिवार के सदस्यों को आपराधिक मामले में विशिष्ट आरोप के बिना

व्यापक तरीके से नहीं फंसाया जा सकता है। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति एन कोटिस्वर सिंह की पीठ ने कहा कि वैवाहिक विवादों में भावनाएं चरम पर होती हैं और परिवार के अन्य सदस्यों को फंसाने की प्रवृत्ति हो सकती है जो शिकायतकर्ता के बचाव में नहीं आते हैं या उत्पीड़न की किसी भी कथित घटना के मूकदर्शक बने रहते हैं। घरेलू हिंसा से संबंधित आपराधिक मामलों में, शिकायतें और आरोप, जहां तक संभव हो, परिवार के प्रत्येक सदस्य के खिलाफ विशिष्ट होने चाहिए, जिन पर ऐसे अपराधों का आरोप लगाया गया है और उन पर मुकदमा चलाने की मांग की गई है, अन्यथा यह परिवार के सभी सदस्यों को अंधाधुंध घसीटकर कठोर आपराधिक प्रक्रिया का दुरुपयोग हो सकता है। ये टिप्पणियाँ एक फैसले में प्रतिबिंबित हुईं, जिसने उन परिवार के सदस्यों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया।

नीतीश कुमार ने जीत पर पीएम मोदी को दी बधाई

नईदिल्ली। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में सत्ता से बाहर हो गई है। भारतीय जनता पार्टी ने शानदार जीत हासिल किया है। पार्टी ने 70 में से 48 सीटों पर जीत हासिल की है। इस बीच आप केवल 22 सीटों पर कामयाब रही। भाजपा की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की भारी बहुमत से जीत पर बधाई एवं शुभकामनाएं। नीतीश ने आगे लिखा कि दिल्ली की जनता ने आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व पर अपना पूर्ण विश्वास व्यक्त किया है। इस ऐतिहासिक जीत के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को बहुत-बहुत बधाई। इससे पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के लोगों ने उनमें विश्वास जताया है।

संविधान और लोकतंत्र को कमजोर कर रही केंद्र सरकार

नईदिल्ली। लोकसभा उपचुनाव जीतने के बाद प्रियंका का वायनाड का यह दूसरा दौरा है। 28 जनवरी को, उन्होंने बाघ द्वारा मारी गई एक महिला के परिवार और पार्टी के पूर्व नेता एनएम विजयन के परिवार से मुलाकात की, जिनकी दिसंबर में

अपने बेटे के साथ आत्महत्या कर ली गई थी। अपनी वर्तमान यात्रा के दौरान, वह मननथावडी, सुल्तान बाथेरी, कलपेट्टा, एरानाड, तिरुवंबदी, वंडूर और नीलांबुर सहित विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में बूथ स्तर के नेताओं से मुलाकात करेंगी। वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी अपने निर्वाचन क्षेत्र और आसपास के इलाकों के तीन दिवसीय दौरे के लिए शनिवार को केरल पहुंचीं। वह सुबह करीब 10 बजे कन्नूर हवाई अड्डे पर उतरीं और सड़क मार्ग से वायनाड जाने से पहले केपीसीसी प्रमुख के सुधाकरन ने उनका स्वागत किया। सिर्फ चुनाव के दौरान ही हमें लोगों तक नहीं पहुंचना चाहिए। उनके रोजमर्रा के जीवन में हमें वहां रहना चाहिए। उन्हें पता होना चाहिए कि यूडीएफ का कार्यकर्ता और नेता कौन है। हमें उनके बीच विश्वास पैदा करना चाहिए कि जब उन्हें कोई समस्या हो तो वे हमसे संपर्क कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लोगों के भरोसे को दर्शाती है: माणिक

नईदिल्ली। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने शनिवार को कहा कि दिल्ली में भाजपा की 'शानदार जीत' भगवा पार्टी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लोगों के अटूट भरोसे को दर्शाती है। साहा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में पार्टी की

जीत के लिए प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को बधाई दी। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, ''मोदी का जादू दिल्ली में छा गया। यह दिल्ली में भाजपा की शानदार जीत है। यह ऐतिहासिक जनादेश भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में लोगों के अटूट भरोसे को दर्शाता है।''भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को हुई मतगणना में आम आदमी पार्टी का सफाया कर दिया और 26 साल से अधिक समय के बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सत्ता में लौटी।निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के अनुसार, भाजपा 70 में से 49 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है या आगे चल रही है, जो बहुमत के 36 के आंकड़े से काफी अधिक है और आप 21 सीटों के साथ पीछे है।शीला दीक्षित के नेतृत्व में दिल्ली में 15 वर्षों तक शासन करने वाली कांग्रेस द्विध्रुवीय मुकाबले में एक भी सीट नहीं जीत सकी है।

मुख्यमंत्री आतिशी ने 3521 मतों से जीत दर्ज की

नईदिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) की उम्मीदवार आतिशी ने कालकाजी विधानसभा सीट पर भाजपा के रमेश बिधूड़ी को 3,521 मतों के अंतर से हरा दिया।निर्वाचन आयोग के अनुसार, आतिशी को

52,154 मत मिले, जबकि बिधूड़ी को 48,633 मत प्राप्त हुए। कांग्रेस की अलका लांबा 4,392 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।आतिशी ने लगातार दूसरी बार कालकाजी सीट जीती है। मुख्यमंत्री 'आप' के उन कुछ मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं में शामिल हैं, जिन्होंने चुनाव में जीत हासिल की है, जबकि पार्टी के ज्यादातर बड़े नेता चुनाव हार गए हैं जिनमें 'आप' प्रमुख अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और सौरभ भारद्वाज शामिल हैं।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को 'आप' को राष्ट्रीय राजधानी की सत्ता से बाहर कर 26 साल से अधिक समय बाद धमाकेदार वापसी की।निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, भाजपा दिल्ली की 70 में से 40 सीट जीत गई है और आठ पर उसकी बढ़त बरकरार है।

भाजपा के लिए दिल्ली दूर नहीं पास

चन्द्र शेखर गंगराड़े, पूर्व प्रमुख सचिव छत्तीसगढ़ विधानसभा

दिल्ली विधानसभा के चुनाव में जीत के साथ वर्ष 2025 में भारतीय जनता पार्टी के लिए बहुत ही शुभ और अच्छी शुरुआत हुई है। न केवल सत्ताईस साल बाद दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की वापसी हुई है बल्कि प्रमुख राष्ट्रीय राजनैतिक दल कॉंग्रेस का वहाँ लगातार तीसरी बार खाता नहीं खुला है। इस चुनाव में एक्जिट पोल एजेंसियों ने जो पूर्वानुमान लगाया था वह भी लगभग सही साबित हुआ है और शायद यह आगे के चुनावों के लिए जनता के मन में एग्जिट पोल की जो विश्वसनीयता समाप्त हो चुकी थी और उसकी प्रमाणिकता पर राजनीतिक दल भी संदेह कर रहे थे उसमें फिर से आशा की किरण दिखाई देने लगेगी

वर्ष 2024 में संपन्न लोक सभा चुनावों के नतीजों के बाद भारतीय जनता पार्टी ने हताशा को छोड़ जिस प्रकार से नई ऊर्जा के साथ हरियाणा महाराष्ट्र और दिल्ली में वापसी की है उसके लिए न केवल उनका राष्ट्रीय नेतृत्व बधाई का पात्र है बल्कि कार्यकर्ताओं में भी उत्साह बनाए रखा यह उल्लेखनीय है और तमाम विश्लेषणों के बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने जीत हासिल की और हेट ट्रिक की और 3 प्रमुख राज्यों में से 2 में वापसी की और दिल्ली में सत्तारूढ़ दल को बाहर का रास्ता दिखाया। अभी तक की स्थिति में दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी 48 एवं आम आदमी पार्टी ने 22 सीटों पर जीत हासिल की है। और जहाँ भाजपा के प्रमुख उम्मीदवार श्री प्रवेश वर्मा जो मुख्यमंत्री की दौड़ में शामिल हैं वे जीत गए हैं और उन्होंने आम आदमी पार्टी के संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री श्री अरविन्द केजरीवाल को हराया है तथा श्री मनीष सिसोदिया भी जिन्हें पार्टी का

थिंक टैंक भी कहा जाता है वे भी हार गए हैं। तथा वर्तमान मुख्य मंत्री आतिशी मार्लिनो भी नजदीकी मुक़ाबले में जीती हैं। यह इस बात को इंगित करता है कि दिल्ली की जनता आम आम आदमी पार्टी से किस क़दर नाराज़ हैं। यद्यपि दिल्ली में त्रिकोणीय संघर्ष था लेकिन कॉंग्रेस पार्टी मैदान में हैं यह कहीं दिखाई नहीं दिया। जब यह चुनाव के पहले से ही परिलक्षित हो रहा था कि दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी से नाराज़ है तो इस स्थिति का लाभ उठाते हुए कांग्रेस पार्टी पूरे जोश के साथ मैदान में उतरती तो आम आदमी पार्टी को जो वोट मिले वो कॉंग्रेस को मिल सकते थे लेकिन कॉंग्रेस पार्टी ने फाउल प्ले गेम खेला और ख़ुद गोल करने के बजाए आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों को पास दे दिया और आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार उसको गोल में परिवर्तित नहीं कर सके। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने जीतने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी और फ़्री की रेवड़ी बाँटने का समर्थन न करने के बावजूद उन्होंने फ्री में सुविधाएँ देने का आश्वासन अपने संकल्प पत्र में किया। उन्होंने इस बात को समझा कि युद्ध में जिसको हराना है उससे जीतने के लिए उसी शैली में युद्ध कर जीता जा सकता है। आम आदमी पार्टी के नेता भी अति आत्मविश्वास में थे और राष्टीय स्तर पर कॉंग्रेस के साथ इंडी गठबंधन बनाने के बावजूद दिल्ली विधानसभा के चुनाव में कॉंग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं किया और एक तरह से यह उनके लिए आत्मघाती साबित हुआ। कई स्थानों पर तो आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार केवल उतने वोटों से हारे जितने वोट कॉंग्रेस के उम्मीदवारों को मिले। इस चुनाव की एक और विशेषता देखने को मिली कि भारतीय जनता पार्टी को सभी क्षेत्रों में बढ़त हासिल हुई चाहे वे दलित बाहुल्य हों या मुस्लिम बाहुल्य हों या अन्य समुदाय के लोग जैसे पूर्वांचल आदि के निवासी जिस इलाक़े में अधिक रहते हैं वहाँ भी सभी जगह के मतदाताओं ने भारतीय जनता पार्टी के प्रति विश्वास जताया और शायद यह पहली बार होगा की मुस्लिम मतदाताओं ने भी भारतीय जनता पार्टी को जिताने के लिए वोट किया।

इस चुनाव ने एक बार पुनः मोदी की गारण्टी पर भरोसा व्यक्त किया और किसी को मुख्यमंत्री का चेहरा न बनाने का निर्णय भी सही साबित हुआ

बहरहाल इस चुनाव से भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों की संख्या में इज़ाफ़ा हो गया और इससे उसे राज्य सभा में भी अपनी संख्या बढ़ाने में मदद मिलेगी और यह चुनाव आगामी वर्षों में जिन राज्यों में चुनाव होना है वहाँ भारतीय जनता पार्टी के लिए आक्सीजन का काम करेगा और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता नई उर्जा और जोश के साथ अगले चुनाव में उतरेंगे । लेकिन साथ ही साथ इस चुनाव में जो जीत हासिल हुई है उसको अपने कार्यो से सही साबित करना भी चुनौतीपूर्ण होगा तभी उसका परिणाम आगे अन्य राज्यों के चुनावों में दिखेगा।

धमतरी नगर निगम में अब कांग्रेस से कोई भी अधिकृत प्रत्याशी नहीं

गोलछा की याचिका को हाईकोर्ट ने किया खारिज

धमतरी। धमतरी में कांग्रेस के महापौर प्रत्याशी विजय गोलछा द्वारा हाईकोर्ट में दाखिल याचिका खारिज हो गई है। इसके बाद यह स्पष्ट हो गया कि नगर निगम धमतरी के चुनाव मैदान में कांग्रेस की ओर से अब कोई भी अधिकृत प्रत्याशी नहीं है।

उल्लेखनीय हैं कि विजय गोलछा के आवेदन पर भाजपा की आपत्ति के बाद रिटर्निंग अधिकारी ने नाम निर्देशन पत्र को निरस्त कर दिया था। इसके बाद उन्होंने न्याय के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। महापौर प्रत्याशी विजय गोलछा ने अपना नाम निर्देशन पत्र निरस्त होने के बाद छत्तीसगढ़ राज्य सचिव नगरीय प्रशासन महानदी भवन रायपुर, राज्य निर्वाचन आयोग, रिटर्निंग अधिकारी नगर निगम धमतरी, कलेक्टर धमतरी और जगदीश रोहरा महापौर प्रत्याशी भाजपा को प्रतिवादी बनाया था। न्यायाधीश द्वारा दिए आदेश के अनुसार याचिकाकर्ता विजय गोलछा के अधिवक्ता ने हाईकोर्ट में आवेदन देकर कहा कि प्रतिवादी रिटर्निंग अधिकारी द्वारा पारित किए 30 जनवरी 2025 को लगाए गए आदेश के विमुद्रीकरण के लिए एक प्रार्थना की मांग कर रहा है और याचिकाकर्ता को फार्म-बी प्रस्तुत करके मेयर के चुनाव में भाग लेने की अनुमति की मांगी थी।

याचिकाकर्ता विजय गोलछा के नामांकन को चुनाव अधिकारी ने प्रतिवादी जगदीश रामू रोहरा द्वारा उठाई गई आपत्ति के आधार पर खारिज कर दिया कि याचिकाकर्ता नगर निगम अधिनियम के 17-2 के तहत याचिकाकर्ता चुनाव लडने के लिए पात्र नहीं हैं। आपत्ति के आधार पर याचिकाकर्ता के नामांकन फार्म को 30 जनवरी 2025 को खारिज कर दिया गया। राज्य/प्रतिवादी के वकील और आपत्तिकर्ता के वकील ने प्रस्तुत किया है कि प्रतिवादी जगदीश रामू रोहरा ने अधिनियम की धारा 17-2 के तहत इस आधार पर आपत्ति की है कि याचिकाकर्ता का ठेकेदार के रूप में निगम के कार्यों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हित है।

विधानसभा अध्यक्ष को नहीं करना चाहिए प्रचार : भूपेश

■ रमन सिंह ने कहा चिंता नहीं मुकाबला कीजिए

राजनांदगांव। नगरीय निकाय चुनाव का शंखनाद हो चुका है। सभी प्रत्याशी लगातार सभाएं ले रहे हैं। सभी राजनीतिक दलों के दिग्गज नेता भी अपने पार्टी के प्रत्याशी के प्रचार के लिए लगातार दौरा कर रहे हैं। राजनीतिक दलों के नेताओं के बीच आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला भी शुरू हो गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आरोप लगाया है कि विधानसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद पर रहते हुए नगरीय निकाय चुनाव के प्रचार का हिस्सा नहीं बनना चाहिए। भूपेश बघेल ने यह भी कहा कि %%मधुसूदन हारने वाले हैं, इसलिए वह मैदान में कूद गए और अपने साथ साथ विष्णुदेव साय को भी ले आये हैं। खुद शत्रुघ्न हैं और राम को भी ले आये हैं, लेकिन ये राजनांदगांव के लोग हैं, नशा उतारना जानते हैं।%%

भूपेश बघेल के बयान पर पलटवार करते हुए डॉक्टर रमन सिंह ने कहा कि शायद कांग्रेस की जानकारी में नहीं है। ऐसा ही विषय नरेंद्र तोमर विधानसभा अध्यक्ष को लेकर कांग्रेस ने उठाया था। केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने उस समय आदेश जारी किया था कि विधानसभा का अध्यक्ष रहते हुए अपने विधानसभा क्षेत्र में प्रचार कर सकते हैं। कॉन्स्टिट्यूशन में कहीं भी इस बात का उल्लेख नहीं किया गया है कि विधानसभा अध्यक्ष अपने विधानसभा क्षेत्र में प्रचार नहीं कर सकते हैं।

रमन सिंह ने यह भी कहा कि अभी राजनांदगांव में प्रचार कर रहा हूं, छत्तीसगढ़ की दूसरी जगह जाऊंगा तो उनकी हालत और खराब हो जाएगी। एक ही दिन में पसीना निकल रहा है। पूर्व में विधानसभा अध्यक्ष रहे चरणदास महंत पूरे विधानसभा चुनाव के दौरान प्रचार में रहे तो उन्हें नहीं दिख रहा था।

भूपेश बघेल ने शहर के चिखली चौक और अन्य क्षेत्रों में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार और भाजपा महापौर प्रत्याशी सहित भाजपा पर निशाना साधा। पत्रकारों से चर्चा करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दावा किया कि इस पूरे चुनाव अभियान में मैं लगातार दौरा कर रहा हूं। जनता प्रदेश सरकार के काम से काफी निराशा है,महंगाई जो बढ़ी है, उससे जनता परेशान है।

जगदलपुर में सीएम विष्णुदेव साय का रोड शो, भाजपा का मेयर और पार्षद बनाने की अपील

जगदलपुर। बस्तर में आगामी निकाय चुनाव को लेकर स्टार प्रचारक के रूप में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का भी दौरा है। सीएम बस्तर के जगदलपुर में रोड शो कर रहे हैं। जहां वे भारतीय जनता पार्टी की ओर से प्रत्याशी संजय पाण्डेय के पक्ष में माहौल बना रहे हैं। आपको बता दें कि निकाय एवं पंचायत चुनाव को लेकर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, मंत्री केदार कश्यप और अन्य पदाधिकारी कार्यकर्ता सभी वार्डों और बूथ स्तर पर चुनाव की तैयारी में जुटे हैं। बीजेपी ने पूरी गंभीरता से चुनाव में भाग लेने की योजना बनाई है। इसके लिए कई रोड मैप भी तैयार किए जा रहे हैं जो चुनाव में प्रभावी साबित होंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बस्तर जिले के जगदलपुर शहर में रोड शो कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान महापौर प्रत्याशी संजय पाण्डेय के पक्ष में वोट करने की अपील कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने जगदलपुर मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट से रोड शो की शुरुआत की। एयरपोर्ट चौक से झंकार टॉकीज चौक, कोतवाली चौक, स्टेट बैंक चौक , महावीर चौक, नावेल्टी चौक, गोलबाजार चौक, सिरहासार चौक, मां दन्तेश्वरी मंदिर से होते हुए गुरुनानक चौक पहुंचेगा।

इसके बाद संजय मार्केट चौक, हनुमान मंदिर पनामा चौक, बस्तर हाई स्कूल होते हुए चांदनी चौक में रोड शो कार्यक्रम का समापन होगा। मुख्यमंत्री जगदलपुर शहर के मुख्य मार्गों में रोड शो कर महापौर प्रत्याशी संजय पाण्डेय के पक्ष में वोट की अपील मतदाताओं से कर रहे हैं।

पंचायत चुनाव में सरपंच और 769 वार्ड में पंच निर्विरोध चुने गए

कबीरधाम। प्रदेश में इसी माह पंचायत चुनाव होने हैं। पंचायत चुनाव को लेकर तीन चरण में मतदान होना है। लेकिन, मतदान से पहले कबीरधाम जिले के कई ग्राम पंचायत में बिना किसी चुनाव के ही सरपंच, पंच समेत अन्य पदाधिकारी चुन लिए गए हैं। क्योंकि, इन जगह में निर्विरोध चुनाव हो गया।

ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव के चक्कर में आपसी विवाद होता है। ऐसे में वे अपने ग्राम पंचायत में निर्विरोध सरपंच और पंच को चुना है। जनपद पंचायत कवर्धा में कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में निर्विरोध निर्वाचन संपन्न हुआ है। कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी गोपाल वर्मा ने बताया कि जिले के ग्राम पंचायत झलमला व ग्राम पंचायत चचेड़ी में सरपंच समेत सभी पंच निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं, जबकि ग्राम पंचायत नवघटा में सरपंच पद पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ है।

निर्विरोध निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि जनपद पंचायत क्षेत्र कोठार से गणेश तिवारी जनपद सदस्य निर्वाचित हुए हैं। इसके अलावा ग्राम पंचायत चचेड़ी से पल्लवी तिवारी, ग्राम पंचायत नवघटा से रामेश्वरी बघेल व ग्राम पंचायत झलमला से ओपी चन्द्रवंशी सरपंच पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं।

निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान जनपद पंचायत कवर्धा अंतर्गत कुल 1408 वार्ड में से 769 वार्ड में पंच निर्विरोध चुने गए हैं। कलेक्टर ने निर्विरोध निर्वाचन को लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती व समन्वय की मिसाल बताते हुए निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि निर्विरोध निर्वाचन से पंचायतों में आपसी सहयोग व सौहार्द्र का परिचय मिलता है। साथ ही आमजन से अपील की कि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें व समृद्ध व सशक्त पंचायत प्रणाली के निर्माण में योगदान दें।

मतदान को लेकर पुलिस ने कसी कमर संवेदनशील बूथों पर रहेगी विशेष नजर

कोरबा। नगरीय निकाय और त्रीस्तरीय पंचायत चुनाव को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराए जाने को लेकर पुलिस पूरी तरह से तैयार है। बिना किसी पक्षपात के मतदान कराने के लिए पुलिस ने 12 सौ अधिकारी और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। 35 पेट्रोलिंग पार्टी होगी जो जिले के पांच निकायों के 425 मतदान केंद्रो की सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहेंगे। इसके साथ ही तीन चरणों में होने वाले पंचायत चुनाव में भी पुलिस की तगड़ी व्यवस्था रहेगी।

कोरबा जिले में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव की प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। इसके लिए पुलिस ने अपनी कमर कस ली है। वोटिंग के दिन किसी तरह के विवाद की स्थिती निर्मित न हो इसके लिए योजना के तहत पुलिस ने अपनी तैयारी की है। जिले के पांच निकायों में 11 फरवरी को मतदान होंगे। जिसके लिए 425 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जिनमें से 153 सामान्य, 243 संवेदनशील और 29 केंद्रो में अति संवेदनशील केंद्रों की श्रेणी में रखा गया है।

संवेदनशील और अतिसंवेदन शील केंद्रों में पुलिस जवानों के साथ ही होमगार्ड के जवान और वन रक्षक तैनात रहेंगे। इस तरह 12 सौ से अधिक अधिकारी और कर्मचारियों की ड्यूटी मतदान के दिन लगाई गई है। इतना ही नहीं 35 पेट्रोलिंग पार्टी भी बनाई गई है,जो मतदान के दिन लगातार घूमती रहेंगी।

एएसपी यूबीएस चौहान ने बताया कि निकाय चुनाव के लिए मतदान की प्रक्रिया संपन्न कराने के बाद त्रि स्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर भी पुलिस पूरी तरह से तैयार है। तीन चरणों में पंचायत चुनाव के तहत वोटिंग होगी। पहले चरण में कोरबा और करतला ब्लॉक के 487 मतदान केंद्रो में वोटिंग होगी, दूसरे चरण के तहत पोड़ी और कटघोरा ब्लॉक के 447 मतदान केंद्रो में वोट डाले जाएंगे जबकि अंतिम चरण में पाली ब्लॉक 241 केंद्रो में वोटिंग होगी।

वैसे तो कोरबा में चुनाव के दौरान आज तक विवाद की स्थिती निर्मित नहीं हुई है। लेकिन पुलिस कोई रिस्क नहीं लेना चाहती यही वजह है कि पहले से ही अपनी तैयारियों को पूरा कर लिया है। अब इंतजार है मतदान का जिसके बाद शहर और गांव सरकार के प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला हो जाएगा।

बालोद जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर भाजपा की नजर

बालोद। बालोद जिले के नगरीय निकाय चुनाव के साथ-साथ अब त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव का शोर भी गांव में गूंजने लगा है। यहां पर सिंबल आवंटित होने के बाद प्रत्याशियों ने जनसंपर्क में अपनी ताकत झोंक दी है। जिला मुख्यालय के आसपास के जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 9 की प्रत्याशी कृतिका साहू ने ग्राम देवारभाट से अपना जनसंपर्क शुरु कर दिया है।

बता दें जिला पंचायत के 14 सीटों के लिए नाम वापसी के बाद 45 प्रत्याशी मैदान में हैं और भाजपा-कांग्रेस दोनों ही दल अपने प्रचार प्रसार में जुट गए हैं। एक दिन पहले ही सिंबल का आवंटन किया गया है यहां पर बीजेपी को इस बार अध्यक्ष बनाना चुनौती रहेगी, जिला निर्माण के बाद से अध्यक्ष सीट पर कांग्रेस का कब्जा है।

जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 9 की बात करें तो कृतिका साहू को भाजपा ने जिला पंचायत के लिए दूसरी बार मौका दिया है। वह अध्यक्ष पद के भी दावेदार माने जा रहे हैं। जिसे देखते हुए पार्टी ने ताकत झोंक दी है। बात अन्य सीटों की करें तो इस बार जिला पंचायत का रण दिलचस्प होगा, क्योंकि कई जगहों पर भाजपा और कांग्रेस के बागी प्रत्याशी समीकरण बिगाड़ते देखे जा सकते हैं। बालोद जिले में स्वतंत्र जिला निर्माण के बाद से अब तक केवल दो ही बार जिला पंचायत के चुनाव हुए हैं और यह तीसरा मौका है। जब दोनों राष्ट्रीय पार्टियों जिला पंचायत के लिए दाम कम लग रही है। बात करें जिला पंचायत अध्यक्ष की सीट की तो जिला निर्माण के बाद से दोनों बार कांग्रेस का कब्जा इस सीट पर रहा है। पहले देवलाल ठाकुर कांग्रेस से अधिकृत होकर अंतरिक्ष बने बाद में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया।

लेकिन पार्टी का दामन थामने से पहले उनके जिला पंचायत अध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त हो चला था। वहीं दूसरी बार सोना देवी देश लहर को कांग्रेस से अध्यक्ष पद की कमान मिली चुकी है। तीसरी बार जिला पंचायत का चुनाव है और राज्य में भाजपा की सरकार है और कांग्रेस चाहती है कि वह इस बार हैट्रिक मारी। लेकिन बीजेपी कांग्रेस के इस मिथक को तोड़ने के उद्देश्य से उतरेगी।

भाजपा प्रत्याशी कृतिका साहू ने कहा कि जब से हम जिला पंचायत सदस्य बने हैं, तब कोरोना वायरस का संक्रमण काल आ गया था। वहीं जब मौका मिला सीमित समय के लिए तो हमने मेहनत की। गांव की मूलभूत सुविधाओं के लिए काम किया है। जिला पंचायत एक बड़ा क्षेत्र होता है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

6 करोड़ की साइबर ठगी मामले में 10 आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। 6 करोड़ रुपये की ठगी करने वाले संगठित गिरोह का जिला पुलिस की साइबर सेल और थाना सिविल लाइन की संयुक्त टीम ने आज पर्दाफाश करते हुए बताया कि इस मामले में 35 म्यूल अकाउंट्स की पहचान की गई है, जिनके जरिए यह धोखाधड़ी की जा रही थी। पुलिस ने इस मामले में 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे आगे की पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों में आकाश दास (27), सलियाभोठा, बाकीमोगरा, अजय दुबे (35), डिगापुर टावर, सिविल लाइन, कोरबा, आयुष तिवारी (23), पुरानी बस्ती, भंडारी चौक, कोरबा, सचिन कुमार (21), जमनीपाली, मोहन टॉकीज के पास, दर्री, कोरबा, सरफराज मसूवी (19), शिव नगर, रूमगढ़ा, बालको नगर, कोरबा, लखन चौहान (25), इंदिरा नगर, जमनीपाली, दर्री, कोरबा, शिव रतन बिझवार (41), कुचैना दादर पारा, कुसमुंडा, कोरबा, अमित बरेठ (20), महुदा, चांपा, जांजगीर-चांपा, सुशांत चतुर्वेदी (20), 15 ब्लॉक, सीएसईबी, कोरबा तथा अजय कमलेश (21), न्यू हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, खरमोरा शामिल हैं।

177 जोड़ी चांदी की पायल के साथ मप्र का आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव। खैरागढ़ पुलिस ने मुतेड़ा नवागांव के पास वाहन चेकिंग के दौरान कार से 34 किलो 943 ग्राम चांदी के पायल को जप्त किया जिसकी कीमत 33 लाख 15 हजार 500 रुपए आंकी गई है। कार की डिक्की में 8 प्लास्टिक की पन्नी में 177 जोड़ी चांदी की पायल रखी थी, जिसे पुलिस ने जब्त किया। वहीं कार में मौजूद व्यक्ति से दस्तावेज की मांग की गई, जो दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। पुलिस ने जब्त चांदी की पायल को थाना लाकर आगे की कार्रवाई की। खैरागढ़ एसपी त्रिलोक बंसल ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि खैरागढ़ थाना व सायबर सेल प्रभारी अनिल शर्मा द्वारा खैरागढ़ क्षेत्रांतर्गत लगातार शहरों से गुजरने वाले वाहनों की चेकिंग की जा रही है। इसी कड़ी में 7 फरवरी को त्रि-स्तरीय चुनाव के मद्देनजर चेकिंग पर चंडी मंदिर मुतेड़ा नवागांव रवाना हुआ था कि वाहन चेकिंग के दौरान वाहन महेन्द्रा की डिक्की को चेक करने पर कपड़े के कमांडो बैग में रखा हुआ था। अलग-अलग 8 नग नीले रंग के प्लास्टिक पन्नी में कुल 177 जोड़ा चांदी जैसा पायल रखा हुआ मिला।

जिला प्रशासन तीन नाबालिगों की शादी रोकी

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ में बाल विवाह के तीन मामलों को रोका गया। जिला प्रशासन बलौदाबाजार-भाटापारा की त्वरित कार्रवाई से बाल विवाह को रोका गया। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर जिला कार्यक्रम अधिकारी टी जाटवर और जिला बाल संरक्षण अधिकारी प्रकाश दास के नेतृत्व में गठित टीम ने पलारी विकासखंड के ग्राम ओडान, मुडपार और कोसमंदी में कार्रवाई करते हुए तीन नाबालिगों की शादियाँ रोकीं। इस टीम में जिला बाल संरक्षण इकाई, एकीकृत बाल विकास परियोजना पलारी और पुलिस विभाग के अधिकारी भी शामिल थे। जिला प्रशासन ने जनता से अपील की है कि यदि उन्हें कहीं भी नाबालिग बच्चों की शादी होने की सूचना मिले, तो तुरंत प्रशासन या चाइल्ड हेल्पलाइन को सूचित करें। जानकारी के अनुसार पलारी विकासखंड के ग्राम ओडान में 19 वर्षीय लड़के का विवाह होने वाला था, जिसे समय रहते रोका गया। मुडपार में 20 वर्षीय नाबालिग लड़के की शादी प्रशासन ने रुकवाई। वहीं, ग्राम कोसमंदी में 17 वर्ष 9 माह की एक लड़की की शादी रोकी गई।

बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

जगदलपुर। जगदलपुर के परपा थाना क्षेत्र से लगे तेलीमारेंगा के पास शनिवार की सुबह एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दी, इस घटना में बाइक में सवार तीनों युवक की मौके पर ही मौत हो गई, घटना के बाद से आरोपी वाहन फरार हो गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मामले के बारे में बताया कि आज सुबह केशलूर की ओर से एक बाइक से तीन युवक सवार होकर जगदलपुर की ओर आ रहे थे कि अचानक से तेली मारेंगा के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन टक्कर मार फरार हो गया। घटना में तीनों युवक की मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के लोग मृतकों को मेकाज लेकर आए। मृतको की पहचान तुषार शर्मा (24 वर्ष), दिव्यांश कारकी (24 वर्ष), तेजेन्द्र ठाकुर (26 वर्ष) के रूप में हुई है। मृतक दिव्यांश मारुति सुजुकी शोरूम में काम करता था, 2 भाइयों में छोटा था। इसके पिता कृष्णा कारकी दंतेवाड़ा के कोर्ट में पदस्थ हैं। मृतक तुषार सुकमा जिले का रहने वाला है। उसके पिता वासुदेव शर्मा दोरनापाल में पुलिस विभाग में पदस्थ है।

तेज रफ्तार ट्रक पेड़ से टकराया चालक को लाया गया मेकाज

जगदलपुर। परपा थाना क्षेत्र के मेटावाड़ा के पास एक तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराया। इस हादसे में चालक घायल हो गया। जिसे बेहतर उपचार के लिए मेकाज में भर्ती किया गया है। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि आंध्रा विजयवाड़ा निवासी रोहित चौधरी 40 वर्ष कुरूद से खाली ट्रक को लेकर वापस आंध्रा की ओर जा रहा था। तभी अचानक परपा क्षेत्र स्थित मेटावाड़ा के पास अचानक से मोड़ पर वाहन से नियंत्रण खो दिया। जिसके बाद ट्रक पेड़ से जा टकराया। घटना के बाद घायल चालक को बेहतर उपचार के लिए मेकाज अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां से उसे वार्ड में भर्ती कर दिया गया।

पंचायत चुनाव में भाजपा का 5 गांवों में निर्विरोध सरपंच निर्वाचित

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए मतदान से पहले ही भाजपा का खाता खुल गया है। दंतेवाड़ा जिले के 5 पंचायतों में निर्विरोध सरपंच बने हैं। ये सभी भाजपा समर्थित हैं। विधायक चैतराम अटामी और भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता ने सभी निर्विरोध बने सरपंचों को मिठाई खिलाकर बधाई और शुभकामनाएं दी।

दंतेवाड़ा जिले के नक्सल प्रभावित ग्राम पंचायत नेलगोड़ा से सुखराम लेकामी, बुदपदर से घासीराम कश्यप ,चेरपाल से मुनी बाई कश्यप, कारली 2 से रीना कश्यप और हारला से शक्ति बेरला त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2025 में निर्विरोध सरपंच निर्वाचित हुए हैं।

बता दें कि छत्तीसगढ़ में तीन चरणों में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होना है। इसके लिए नामांकन और नाम वापसी की प्रक्रियाएं पूरी हो गई है। अब जोरों पर प्रचार चल रहा है। 17 फरवरी, 20 फरवरी और 23 फरवरी को सरपंच, पंच, जिला पंचायत सदस्य और जनपद पंचायत सदस्यों के चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे।

एक साथ झूमे भाजपा-कांग्रेस के महापौर प्रत्याशी

जगदलपुर। नगरीय निकाय चुनाव के बीच एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा। प्रत्याशी दम-खम से प्रचार में जुटे हैं। इस बीच बस्तर संभाग के एक मात्र नगर निगम जगदलपुर के भाजपा महापौर प्रत्याशी संजय पांडे और कांग्रेस से मलकीत सिंह गैदू एक साथ झूमते नजर आए।

दरअसल जगदलपुर के एक शादी समारोह में भाजपा-कांग्रेस के महापौर प्रत्याशी पहुंचे थे, जहां एक गाने में एक साथ दोनों प्रत्याशी नाच रहे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। दोनों ही प्रत्याशी जगदलपुर में अपने दम खम के साथ प्रचार भी कर रहे।

सेवानिवृत्ति के 6 माह पश्चात जीपीएफ से नहीं कर सकते वसूली

■ हाई कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

बिलासपुर। सेवानिवृत्त होने के बाद मिलने वाली सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) की राशि किसी भी कर्मचारी के लिए आगे के जीवन का आधार होती है। ऐसे में जीपीएफ से वसूली के आदेश को चुनाती देते हुए दायर याचिका पर हाई कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। बेंच ने कहा कि सेवानिवृत्ति के छह माह पश्चात जीपीएफ से राशि की वसूली नहीं की जा सकती है।

अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग में पर्यवेक्षक (पुरुष) के पद से गौरेला निवासी हृदयनारायण शुक्ला 30 जून 2020 को सेवानिवृत्त हुए थे। इसके 9 महीने बाद महालेखाकार कार्यालय ने जीपीएफ राशि से अधिक वेतन की निकासी बताते हुए उनके जीपीएफ एकाउन्ट में ऋणात्मक शेष बताते हुए वसूली आदेश जारी किया था।

वसूली आदेश को चुनौती देते हुए हृदयनारायण शुक्ला ने अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय व स्वाति सराफ के माध्यम से हाई कोर्ट के समक्ष याचिका दायर की थी।

अधिवक्ताओं ने छत्तीसगढ़ सामान्य भविष्यनिधि नियम 1955 और छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1976 का हवाला देते हुए बताया कि जीपीएफ खाते से ऋणात्मक शेष राशि की वसूली सेवानिवृत्ति से पूर्व या सेवानिवृत्ति के पश्चात् सिर्फ छह माह तक की अवधि में ही वूसली की जा सकती है। इससे अधिक की अवधि व्यतीत हो जाने पर जी।किसी प्रकार की वसूली नहीं की जा सकती है।

मामले में याचिकाकर्ता के सेवानिवृत्त होने के नौ माह पश्चात् महालेखाकार कार्यालय की ओर से जीपीएफ खाते में ऋणात्मक शेष बताते हुए वसूली आदेश जारी किया गया जो कि नियमों का उल्लंघन है। हाई कोर्ट ने याचिका को स्वीकार करते हुए याचिकाकर्ता के विरूद्ध जारी वसूली आदेश को निरस्त कर महालेखाकार कार्यालय को निर्देशित किया गया कि याचिकाकर्ता के सम्पूर्ण बकाया जीपीएफ राशि का तत्काल भुगतान करें।

संक्षिप्त समाचार

वंदेभारत ट्रेन चलने से रायपुर से जबलपुर का सफर हुआ आसान

रायपुर। रेल यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के बीच अब वन्देभारत एक्सप्रेस दौड़ने वाली है। भारतीय रेलवे जल्दी ही राजधानी रायपुर से जबलपुर के लिए नई ट्रेन शुरू करने जा रही है। यह रायपुर से होकर गोंदिया जबलपुर तक चलेगी। इसके लिए रेलवे ने नोटिफिकेशन जारी किया है। बता दें कि ये ट्रेन सप्ताह में छह दिन जबलपुर-रायपुर-जबलपुर तक चलेंगी। हाल ही में जबलपुर-गोंदिया ब्रॉडगेज लाइन बनाई गई है। रेलवे ने इसके लिए मंजूरी दे दी है। ये ट्रेन रायपुर से जबलपुर के 410 किमी के लम्बे सफर को साथ घंटे में पूरा कर लेगी। यह ट्रेन रायपुर से दोपहर 1.20 बजे चलकर दुर्ग 2.10 बजे, 2.29 बजे राजनांदगांव, 3.55 बजे गोंदिया, 4.29 बजे बालाघाट, 5.44 बजे नैनपुर पहुंचेगी। फिर कछपुरा, मदन महल होते हुए रात 8.15 बजे जबलपुर मुख्य स्टेशन पहुंचेगी। इसके बाद यहां ट्रेन जबलपुर से अगले दिन सुबह पांच बजे रवाना होगी और 5.12 बजे मदन महल पहुंचेगी, इसके बाद 5.26 बजे कछपुरा, 6.49 बजे नैनपुर, 8.08 बजे बालाघाट, 9.10 बजे गोंदिया, 10.24 बजे राजनांदगांव, 11.12 बजे दुर्ग होते हुए 11.55 बजे रायपुर पहुंचेगी।

अब छत्तीसगढ़ में पेट्रोल पंपों पर भी होगी वाहनों की प्रदूषण जांच

रायपुर। पर्यावरण प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए छत्तीसगढ़ में अब पेट्रोल पम्पों पर वाहनों की प्रदूषण जांच के सेंटर (पीयूसी) स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए पेट्रोलियम कम्पनियों ने अपनी सहमति दे दी है। पेट्रोल पंपों पर प्रदूषण जांच केंद्र स्थापित होने से वाहन चालकों को पीयूसी प्रमाण पत्र बनवाने में आसानी होगी और उन्हें अन्य केंद्रों की तलाश में भटकना नहीं पड़ेगा। इसके अलावा, यह पहल वाहनों से होने वाले वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में मददगार और राज्य में पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने 4 फरवरी 2025 को परिवहन विभाग की समीक्षा बैठक में वाहनों के धुएं से होने वाले वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए थे। इसी के तहत 7 फरवरी 2025 को परिवहन सचिव एवं परिवहन आयुक्त श्री एस. प्रकाश और अपर परिवहन आयुक्त श्री डी. रविशंकर की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और रिलायंस इंडस्ट्रीज के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

टेकारी (कुंडा) विद्यालय में पेयजल समस्या से जूझ रहा शाला परिवार

रायपुर। ग्राम टेकारी (कुंडा) स्थित विद्यालय परिसर में फरवरी माह के शुरूआत से ही पेयजल की समस्या भयावह होने लगा है। इस परिसर में उच्चतर , उच्च व पूर्व माध्यमिक शाला लगता है। छात्र-छात्राओं, गुरुजनों व कर्मचारी वृंद को मिला शैक्षणिक दिवसों पर यहां 500 शालेय परिवा सदस्य मौजूद रहते हैं। समस्या की भयावहता को देखते हुये शाला विकास समिति, पंचायत व ग्रामीण सभा ने शासन - प्रशासन से अविलंब नया बोर खनन का आग्रह किया है और जनप्रतिनिधियों के चुनावी समर में व्यस्तता के चलते मुलाकात न हो पाने की वजह से मेल से ज्ञापन भेज ध्यानाकर्षण कराया है। संसदीय क्षेत्र रायपुर व विधानसभा आरंग के अधीन स्थित है यह ग्राम। वर्तमान शैक्षणिक सत्र समाप्त होने में अभी लगभग ढाई माह से अधिक समय बाकी है पर अभी से उठ खड़े हो रहे पेयजल की समस्या दिन-प्रतिदिन विकराल रूप धारण करते जा रहा है। परिसर में स्थित बोरवेल सूख चले हैं। जानकारी मिलने पर शाला विकास समिति के अध्यक्ष शंकर वर्मा, समिति में मनोनीत सांसद प्रतिनिधि मिथिलेश साहू , विधायक प्रतिनिधि राजू मनहरे व सदस्यगण, पूर्व अध्यक्ष हुलासराम वर्मा, ग्रामीण सभा अध्यक्ष रामनाथ वर्मा व कोषाध्यक्ष अशोक नायक, सरपंच नंदकुमार यादव सहित किसान संघर्ष समिति के संयोजक भूपेंद्र शर्मा ने परिसर पहुंच स्थिति का जायजा लिया व ग्राम के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने विभागीय मंत्री केदार कश्यप, क्षेत्रीय सांसद बृजमोहन अग्रवाल व क्षेत्रीय विधायक गुरु खुशवंत सिंह साहेब से मुलाकात करने का प्रयास किया पर उनके चुनावी व्यस्तता के चलते मुलाकात संभव नहीं हो पाया। इस स्थिति में श्री शर्मा ने इन तीनों को मेल से ज्ञापन भेज वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुये शाला परिवार के हित में अविलंब नया बोरवेल करवाने का आग्रह किया है।

कल्याण ज्वेलर्स में मीडिया कर्मियों से दुर्व्यवहार करने वाले 2 कर्मचारी गिरफ्तार

रायपुर। पंडरी स्थित कल्याण ज्वेलर्स में कल रात हुए हादसे की सूचना पुलिस को न देने और कवर करने गए मीडिया कर्मियों से

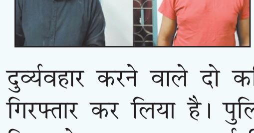

दुर्व्यवहार करने वाले दो कर्मियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पवन तिवारी पिता बोधनाथ उम्र 46 वर्ष निवासी ग्राम पुरेझाम तिवारीपुर बहुता पो लही जिला बाराबंकी यूपी है। दूसरा अखिल ए पिता अजय कुमार उम्र 27 वर्ष निवासी मादविलकती विदु आलपपुरम तिरुमला जिला तिरुवनंतपुरम थाना पूंजपुर केरल को गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने मीडिया कर्मियों से हाथापाई कर घटना शूट कर रहे उनके कैमरे और मोबाइल छीनकर फेंक दिए थे। पुलिस इन्हें किराए में मकान देने वाले मकान मालिकों पर भी कार्रवाई कर सकती है क्योंकि इन्होंने इनके किराए दार होने की जानकारी संबंधित इलाके के थाने में नहीं दी और छिपाई।

भाजपा ने रायपुर नगर निगम के लिए जारी किया आरोप पत्र

■ **15 बिंदुओं में गिनाई शहर सरकार की खामियां, कांग्रेस ने किया पलटवार**

रायपुर। राजधानी के एकात्म परिसर में आज भाजपा ने रायपुर नगर निगम के चुनाव के लिए आरोप पत्र जारी किया है। भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने 15 बिंदुओं पर पूर्व कांग्रेस निगम सरकार की खामियां गिनाई। जिसमें कई परियोजनाओं को लेकर भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया है। वहीं बीजेपी के आरोप पत्र को कांग्रेस ने चुनावी प्रोपेगेंडा बताया है।

संजय श्रीवास्तव ने आरोप पत्र जारी करने के दौरान कहा कि कुछ जेल में हैं, तो कुछ बेल पर हैं। कांग्रेस के डीएनए में ही भ्रष्टाचार है। उन्होंने यह आरोप लगाया कि रायपुर नगर निगम भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। चारों विधायक कांग्रेस के हारे, वो पर्दे के पीछे से कहते थे कि हमारे साथ बड़ा नुकसान हो रहा है।

15 बिंदुओं का आरोप-पत्र जारी

1. कांग्रेस ने 15 साल के शासन में नगर निगम रायपुर में भ्रष्टाचार और लूट के सारे रिकार्ड तोड़ दिए।

2. कोरोना महामारी में भी कांग्रेस भ्रष्टाचार से बाज नहीं आई, लगभग 80 लाख अस्थाई कोविड केयर के सामानों के लिए किराया दिया जबकि उन्हें खरीदा जाता तो भी इतनी राशि नहीं खर्च होती।

3. शहर में तालाबों के सौंदर्गीकरण के नाम पर भी कांग्रेस के महापौरों ने जमकर लूट मचाई, करोड़ों रुपए में खरीदे गए फव्वारे चंद दिनों में ही बंद पड़ गए, जिसमें बूढ़ा तालाब का ?5 करोड़ का म्यूजिकल फाउंटेन भी शामिल है, जो केवल 100 दिन ही चला।

4. तेलीबांधा से वीआईपी रोड तक का सौंदर्याकरण बिना टेंडर के ही पूर्ण कर दिया गया था, जिसे जनता ने वॉल ऑफ करप्शन का नाम भी दिया।

5. होर्डिंग्स के मामले में भी कांग्रेस की नगर सरकार ने भारी भ्रष्टाचार किया । 27 करोड़ का यह घोटाला यूनिपोल घोटाला के नाम से छाया रहा।

6. नरैया तालाब के सौंदर्गीकरण में भी फर्जीवाड़ा किया गया। 27 लाख का फर्जी वेतन, 40 लाख का टेंडर घोटाला भी सामने आया। 100 की चीजों को हजारों रुपए में खरीदा गया।

7. वित्त आयोग से 10 इलेक्ट्रॉनिक बस की खरीदी के लिए 22 करोड रुपए आवंटित किए गए, लेकिन राजधानी में एक भी बस नहीं दौड़ी।

8. 2 साल से बंद पड़ी कंपनियों को बिना जांच और एनओसी के ठेके दिए गए, जिनके जरिए जमकर भ्रष्टाचार हुआ।

9. शहर के लगभग सभी क्षेत्रों में पार्किंग एवं ट्रैफिक की जमकर अव्यवस्था रही, प्रदूषण से भी लोगों का जीना बेहाल हुआ।

10. शहर में नालियां जाम रही, साफ सफाई न होने की वजह से लगातार कई इलाकों में मलेरिया, पीलिया जैसी बीमारियां फैलती रही।

11. व्यावसायिक क्षेत्रों में जाने वाली महिलाओं को टॉयलेट की कमी से जूझना पड़ा।

12. जनता से अधिक कर की वसूली भी एक पीड़ा देने वाला विषय रहा, कांग्रेस द्वारा मूल कर में ब्याज, पेनॉल्टी इत्यादि जोड़कर जनता को जमकर परेशान किया गया।

13. संप्रदाय विशेष को संरक्षण के कारण लगातार अपराध होते रहे। सभ्य नागरिकों का जीना मुहाल रहा।

14. महापौर के रिश्तेदारों का आतंक न केवल आम निवासियों बल्कि पुलिस वालों तक पर चलता रहा।

15. मतांतरण आदि की घटनायें लगातार होती रही, उसे निगम और तब की प्रदेश कांग्रेस सरकार का प्रश्रय रहा। अपराधियों के हौसले इतने बुलंद थे कि तिरंगा जलाने, संविधान फाड़ देने की बातें सरेआम की जा रही थी।

श्रीवास्तव ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान कांग्रेस ने 80 लाख रुपये का भ्रष्टाचार किया। जबकि उस समय सभी लोग सेवा कार्य में लगे हुए थे, कांग्रेस की टीम ने अनियमितताएं कीं।

पूर्व महापौर एजाज ढेबर पर निशाना साधते हुए श्रीवास्तव ने कहा कि भतीजे का मामला हो, मतांतरण का मामला हो या तिरंगा जलाने की बात, कांग्रेस ने हर स्तर पर जनता को निराश किया है।

भाजपा के आरोप पत्र को कांग्रेस ने एक चुनावी प्रोपेगेंडा बताया है। कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पिछले एक साल के राज्य में भाजपा की सरकार है। सरकार में होते हुए विपक्ष के ऊपर आरोप पत्र लाना हास्यास्पद है। आपकी एक साल से सरकार है। क्या भाजपा सरकार ने हमारे महापौर, नगर पालिका, नगर पंचायत के खिलाफ शिकायत दर्ज की है। ना ही कोई जांच की गई, क्योंकि कोई गड़बड़ी थी ही नहीं। भाजपा का आरोप पत्र एक प्रोपेगेंडा है। 11 फरवरी के मतदान में जनता भाजपा के खिलाफ वोटिंग के लिए तैयार है।

दिल्ली में भाजपा की जीत का छत्तीसगढ़ में जश्न

रायपुर। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का उल्लास छत्तीसगढ़ तक छलक रहा है। इस जीत से भाजपा के स्थानीय नेता भी फूले नहीं समा रहे हैं। इसका नजारा रायपुर स्थित पार्टी कार्यालय में देखने को मिला, जहां प्रेस कांफ्रेंस में मौजूद मंत्री रामविचार नेताम, अशोक बजाज, अमित चिमनानी, संदीप शर्मा सहित अन्य नेताओं ने एक स्वर में 'झूठ बोले कौवा काटे, काले कौवे से डरियो, केजरीवाल जेल चले जाएंगे तुम देखते रहियो' गाकर न केवल अपनी बल्कि पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं की खुशी का इजहार किया।

इस दौरान मंत्री राम विचार नेताम ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ जीत की खुशी में डांस किया। बता दें कि दिल्ली में 27 साल बाद भाजपा की वापसी हो रही है। 4 घंटे की मतगणना के बाद चुनाव आयोग के आंकड़ों में 70 सीटों में से भाजपा 45 और आम आदमी पार्टी (आप) 21 सीटों पर आगे चल रही है। सत्येंद्र जैन, सोमनाथ भारती, सौरभ भारद्वाज, अमानतुल्लाह खान और अवध ओझा पीछे चल रहे हैं।

भाजपा ने पिछले चुनाव (2020) के मुकाबले वोट शेयर में 9% से ज्यादा का इजाफा हुआ। वहीं, आप को 10% से ज्यादा का नुकसान हुआ है। कांग्रेस को भले ही एक सीट मिलती नहीं दिख रही, लेकिन वोट शेयर 2% बढ़ाने में कामयाब रही। भाजपा की 40 सीट बढ़ीं, आप की 40 सीट घटी भाजपा की पिछले चुनाव (2020) के मुकाबले 40 सीटें बढ़ीं। वहीं, आप को 40 सीटों का नुकसान हुआ है। कांग्रेस इस बार भी खाली हाथ रहीं। एक भी सीट नहीं जीत सकी।

आप दफ्तर में अंदर से लगा ताला

दिल्ली चुनाव में आप को निराशा हार हाथ लगी है। आप ने अपने पार्टी कार्यालय में प्रवेश पर रोक लगा दी है और अंदर से ताला लगा दिया है। सिर्फ कुछ पार्टी पदाधिकारियों को ही अंदर जाने की अनुमति है। जबकि मीडियाकर्मियों को प्रवेश करने से रोक दिया है।

मोदी की गारंटी, मतदाता की गारंटी भाजपा की लहर है : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। छत्तीसगढ़ में निकाय चुनाव के लिए प्रचार अंतिम दौर में है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एक बाद एक सभी नगर निगमों में रोड शो कर रहे हैं। मुख्यमंत्री का धुंआधार प्रचार उत्तर से लेकर दक्षिण तक जारी है।

रोड शो के साथ जनसभाओं को मुख्यमंत्री संबोधित कर रहे हैं। सभाओं में मुख्यमंत्री जनता से यही कह रहे हैं। छत्तीसगढ़ में मोदी की गारंटी मतलब मतदाता की गांरटी। जिस तरह से जनता ने विधानसभा, लोकसभा और उपचुनाव में भाजपा को भरपूर समर्थन और प्यार दिया है। मोदी की गारंटी को अपना गारंटी मानकर जीताया है। वही प्यार और समर्थन निकाय और पंचायत चुनाव में मिलता दिख रहा है।

जगदलपुर रवाना होने के पूर्व रायपुर में हेलीपैड पर पत्रकारों से चर्चा में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की लहर है। 13 महीने में मोदी की गारंटियों को पूरा कर दिया गया। प्रदेश में मोदी की गांरटी, मतदाता की गांरटी है, चुनाव में जीत की

गांरटी है।

13 फरवरी को जाएंगे महाकुंभ

इसके साथ मुख्यमंत्री साय ने 13 फरवरी को पूरे मंत्रिमंडल के सहयोगियों और विधायकों के साथ महाकुंभ जाने की जानकारी देते हुए कहा कि 144 साल बाद महाकुंभ का शुभ योग बना है। वहीं कांग्रेस पार्टी के कुंभ के निमंत्रण को ठुकराए जाने पर कहा कि कांग्रेस ऐसी पार्टी हैं, जो भगवान राम के अस्तित्व पर भी प्रश्न चिह्न लगाती है। उनसे ज्यादा उम्मीद नहीं की जा सकती है।

महाकुंभ में स्नान का निमंत्रण ठुकराया

साय के सलाहकार पंकज झा ने कसा तंज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में महाकुंभ पर सियासी रार ठन गई है। मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष की ओर से कुंभ स्नान के आमंत्रण को विपक्ष ने ठुकरा दिया है। विपक्ष के इस रवैये पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा ने तंज कसा है।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उन्होंने लिखा है कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ। रमन सिंह ने प्रदेश के सभी सांसदों-विधायकों को कुंभ चलने का निमंत्रण दिया गया है। इसे छत्तीसगढ़ कांग्रेस द्वारा ठुकरा देना अत्यंत ही दुःखद है। कांग्रेस की राजनीति वास्तव में रोज डुबकी लगा रहा है। उनकी राजनीति का स्तर रोज नये गोते खा रहा है।

इसके साथ ही इस विषय पर नेता प्रतिपक्ष डॉ। चरण दास महंत की ओर से लिखे पत्र पर आपत्ति जताते हुए कहा कि कांग्रेस के विधायकों को बिल्कुल भी इस मामले में अपने नेता की बात नहीं मानना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष का निर्देश राजनीतिक मामलों में तो समझ में आता है, लेकिन वे विधायकों के धार्मिक मामलों

में हस्तक्षेप करें, यह अनुचित है। सभी विधायक-सांसदों को अपनी आस्था और अंतरात्मा अनुसार निर्णय लेना चाहिए।

अभी महाकुंभ में छत्तीसगढ़ सरकार का पैवेलियन देश भर की चर्चा का विषय बना हुआ है। वहां की निःशुल्क सुविधायें सभी छत्तीसगढ़वासियों के लिये है, न कि राजनीतिक प्रतिबद्धता देख कर वहां प्रवेश दिया जा रहा। ऐसे में नेता प्रतिपक्ष द्वारा सभी कांग्रेस विधायकों को कुम्भ नहीं जाने का निर्देश देना अस्वीकार्य है। महंतजी कौन होते हैं छत्तीसगढ़ के माननीय कांग्रेस विधायकों की धार्मिक-सांस्कृतिक मान्यता और आस्था पर निर्देश देने वाले?

मंडल प्रबंधक ने रेल सप्ताह पुरस्कार समारोह में रेल कर्मियों को सम्मानित किया

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर द्वारा शुक्रवार 7 फरवरी को उल्लास अधिकारी क्लब, शिवनाथ रेल विहार, डब्ल्यू.आर.एस कॉलोनी, रायपुर में 69वाँ रेल सप्ताह समारोह (मंडल रेल प्रबंधक स्तर)- 2024 मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद के आतिथ्य में आयोजित किया गया ।

भारत में पहली बार रेल का शुभारंभ 16 अप्रैल 1853 में मुम्बई से थाणे के मध्य रेल चलाकर की गई थी। इस ऐतिहासिक घटना की याद में रेल मंत्रालय सहित सभी क्षेत्रीय रेलवे, वर्कशॉप, यूनिटों एवं मंडलों में प्रति वर्ष रेल सेवा पुरस्कार मनाया जाता है। 69वाँ रेल सप्ताह समारोह 2024 में रेल कर्मचारियों को कैलेंडर वर्ष 2023 में उनके द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत किया गया।

69वाँ रेल सप्ताह समारोह के अवसर पर सर्वप्रथम मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद का स्वागत वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री राहुल गर्ग द्वारा किया गया। अतिथियों द्वारा देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण, श्लोक उच्चारण एवं दीप प्रज्वलित कर इस समारोह का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री राहुल गर्ग ने स्वागत संबोधन में कठिन

परिश्रम, लगन और निष्ठा की बदौलत उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को बधाई दी।

मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद ने अपने उदबोधन में कहा कि भारतीय रेल नेटवर्क, टीम वर्क का श्रेष्ठ उदाहरण है। इस वृहत प्रणाली को गतिमान रखने में रेलवे के सभी विभागों के कर्मचारियों एवं अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इस पारस्परिक सामंजस्य एवं सहयोग के बिना इस रेल तंत्र को सुचारू रूप से चलाना संभव नहीं है। अपनी स्थापना के बाद से ही रायपुर मंडल लगातार राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सफल रहा है।

लदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए रायपुर मंडल रिकार्ड लदान कर भारतीय रेल पर प्रतिवर्ष नया कीर्तिमान रचता आ रहा है और मुझे प्रसन्नता है कि यह परंपरा इस वर्ष भी कायम रही है। इसी के परिणामस्वरूप हमारे मंडल पर रिकार्ड राजस्व अर्जन हुआ। सभी उपलब्धियों का श्रेय हमारे अधिकारियों के कुशल मार्गदर्शन एवं कर्मचारियों के कठिन परिश्रम को जाता है। हम इसी सेवा भावना एवं कर्तव्य निष्ठा के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करते रहेंगे। साथ ही अन्य कर्मचारियों को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए अपनी पूरी लगन एवं निष्ठा के साथ कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया ।

69 वॉ रेल सप्ताह समारोह के अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए 33 कर्मचारियों को व्यक्तिगत पुरस्कार एवं 27 समूह पुरस्कार प्रदान किए गए। रेल कर्मियों द्वारा तैयार किये गये रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। पुरस्कार वितरण के पश्चात् मंडल कार्मिक अधिकारी श्रीमती निकिता अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री बजरंग अग्रवाल, रायपुर मंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं समस्त यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारियों सहित रेल कर्मचारीगण उपस्थित थे ।

जहरीली महुआ शराब पीने से 7 की मौत

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने गठित की 6 सदस्यीय जांच समिति

बिलासपुर। कोनी थाना क्षेत्र के लोफंदी में जहरीली महुआ शराब पीने से 7 लोगों की मौत से हड़कंप मच गया है। वहीं 4 लोगों की हालत गंभीर है, जिन्हें इलाज के लिए सिम्स में भर्ती कराया गया है। इस बीच प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मामले में 6 सदस्यीय जांच समिति गठित की है, जो मौके पर जाकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात करेगी।

बता दें कि कांग्रेस की इस जांच समिति में मस्तूरी विधायक दिलीप लहरिया, कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव, डीसीसी ग्रामीण विजय केशरवानी, पूर्व विधायक बिल्हा सियाराम कौशिक, पूर्व विधायक तखतपुर रश्मि सिंह और बेलतरा के पूर्व विधायक प्रत्याशी राजेंद्र डब्बू साहू को शामिल किया गया है। पार्टी ने इस समिति को जल्द से जल्द मौके पर जाकर जांच करने और रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं।

लोफंदी के ग्रामीणों के मुताबिक, बीते बुधवार को पहले एक ग्रामीण की मौत हुई, फिर दो लोगों की जान गई। बीमारी समझकर मृत ग्रामीणों का अंतिम संस्कार कर दिया गया था। शुक्रवार की रात सरपंच के भाई समेत एक साथ चार लोगों की मौत हुई तो गांव में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने महुआ शराब पीने से मौत की आशंका जताई है। हालांकि, पोस्टमॉर्टम के बाद मौत की असल वजह साफ हो पाएगी। पुलिस और अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 4 लोग सिम्स में भर्ती हैं। बताया जा रहा है कि जहरीली शराब के सेवन से ये मौतें हुई हैं और बीते एक हफ्ते से लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं।

वहीं, इस मामले में प्रशासन का कहना है कि पिछले 2-3 दिनों में 4 से 5 लोगों की मौत हुई है। मृतकों का अंतिम संस्कार भी किया जा चुका है। शुक्रवार को गांव के सरपंच के भाई की मौत हुई, जिसके बाद प्रशासन ने अंतिम संस्कार से पहले मर्ग पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

अधिकारियों के मुताबिक, मृतकों में से 2 की रिपोर्ट सामान्य आई है। प्रशासन का कहना है कि 5 फरवरी को कोनी में एक शादी समारोह आयोजित हुआ था, जिसमें मृतक और उनके परिवार के लोग शामिल हुए थे और वहां खाना खाया था। इसके अलावा, कुछ मृतकों ने तालाब से मछली पकड़कर भी खाई थी। प्रशासन ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो सकेगा।

निकाय चुनाव के दौरान कवर्धा पुलिस का एक्शन

एमपी से शराब तस्करी का खुलासा

कवर्धा। छत्तीसगढ़ में निकाय चुनाव के तहत आदर्श आचार संहिता लगी हुई है। चुनावी सीजन को देखते हुए राज्य में शराब की तस्करी का खेल चल रहा है। पुलिस की मुस्तैदी से शराब के अवैध परिवहन पर शिकंजा कसा जा रहा है। कवर्धा में शनिवार को पुलिस ने 40 पेटी अवैध शराब बरामद किया है। शराब की खेप को मध्यप्रदेश से लेकर आया गया था। शराब को कवर्धा में खपाने का प्लान था।

पुलिस ने शराब की तस्करी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ड्राइवर है और वह 40 पेटी शराब को लेकर आया था। ड्राइवर की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस शराब के दलाल की तलाश कर रही है। कूकदूर थाना अंतर्गत तेलियापानी-लेदरा घाट से पुलिस ने चेकिंग के दौरान बोलेरो वाहन को सीज किया। आरोपी ड्राइवर का नाम पीयूष कुमार बताया जा रहा है। शराब को कवर्धा तक पहुंचाने के लिए सोनू नाम के ब्रोकर ने ड्राइवर को हायर किया था। आरोपी ड्राइवर से पूछताछ के बाद पुलिस अब ब्रोकर की तलाश कर रही है।

एसडीओपी भूपत सिंह ने बताया मुखबिर से सूचना मिली थी की वाहन में मध्यप्रदेश से भारी मात्रा में अवैध शराब छत्तीसगढ़ लाया जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने वाहन की रेकी और और वाहन को तेलियापानी लेदरा के रास्ते कवर्धा में पकड़ा गया। इस दौरान आरोपी वाहन को लेकर भागने की फिराक में था। घाट में घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया गया। 40 पेटी शराब और वाहन को हमने जब्त कर लिया है।

दिल्ली में भाजपा ने जीत की नई इबारत लिखी

ललित गर्ग

दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए न केवल 27 साल के वनवास को खत्म करने में कामयाब हुई है बल्कि देश की राजधानी को एक नया विश्वास, नया जोश एवं गुड गर्वनेंस का भरोसा दिलाने को तत्पर हो रही है। निश्चित ही चुनाव मोदी के नाम पर लड़े गये और दिल्ली की जनता ने मोदी पर भरोसा जताया है। एक बार फिर मोदी का जादू चला एवं उनके करिश्माई राजनीतिक व्यक्तित्व ने नया इतिहास रचा है। दिल्ली में भाजपा ने जीत की नई इबारत लिखी है। दिल्ली में 11 साल के बाद डबल इंजन की सरकार बनने से दिल्ली की बुनियादी समस्याओं का हल होते हुए दिख रहा है, बल्कि दिल्ली के विकास की नई गाथा लिखे जाने की शुभ शुरुआत हो रही है। अब दिल्ली में न केवल वायु प्रदूषण दूर होगा, बल्कि यमुना नदी का प्रदूषण दूर करते हुए उसका कायाकल्प किया जायेगा। चुनाव परिणामों में आम आदमी पार्टी चुनाव को जिस तरह की हार का सामना करना पड़ा है उससे आप सिर्फ सत्ता से ही बेदखल नहीं हो रही बल्कि आप एवं केजरीवाल के राजनीतिक जीवन पर भी ग्रहण लगता हुआ दिखाई दे रही है। कांग्रेस के लिये भी अपनी राजनीतिक जमीन बचाने एवं सत्ता में वापसी का सपना बूरी तरह पस्त हो गया है। दिल्ली की लगभग सभी सीटों पर मतदाताओं ने सुशासन, भ्रष्टाचार मुक्ति, विकास एवं मुक्त की सुविधाओं के नाम पर वोट डाले हैं। दिल्ली में मुस्लिम बहुल इलाके हों, गांधी नगर जैसे कारोबारी क्षेत्र हों या फिर पूर्वी दिल्ली का पटपड़गंज हो, या मुस्तफाबाद जैसे पिछड़े इलाके सभी जगहों पर आप को करारा झटका लगा है। हिन्दुत्व की ताकत, राष्ट्रीय स्वयंसेवक एवं भाजपा की सुनियोजित चुनाव रणनीति ने भाजपा को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मोदी-शाह की जोड़ी ने करिश्मा कर दिखाया है। आप एवं कांग्रेस के दिग्गज नेताओं की हार ने तय किया कि राजनीति में राजशाही सोच, अहंकार एवं बड़बोलापन कामयाब नहीं है। दिल्ली के विकास मॉडल को पूरे देश में केजरीवाल सर्वश्रेष्ठ बताते रहे हैं, उसी दिल्ली की दुर्दशा, उससे जुड़े झूठे बयानों एवं तथ्यों के कारण आप हारी है।. इस तरह केजरीवाल की राजनीति पर मतदाताओं ने सवालिया निशाने लगा दिये हैं। केजरीवाल के लिये इन चुनाव परिणाम के बाद संकट के पहाड़ खड़े होने वाले है। जिस अन्ना आंदोलन से अरविंद केजरीवाल का नाम पूरे देश में सामने आया। केजरीवाल ने उन्हीं अन्ना को नकार दिया था। दिल्ली चुनाव के रुझानों पर अन्ना हजारे ने कहा कि मैं बार-बार बताता गया, लेकिन उनके दिमाग में नहीं आया और वे शराब को ले आए। शराब यानी धन-दौलत से वास्ता हो गया। अन्ना ने कहा कि चुनाव लड़ते समय उम्मीदवार को आचार शुद्ध होना, विचार शुद्ध होना, जीवन निष्कलंक और त्याग होना जरूरी है। अगर ये गुण उम्मीदवार में हैं तो मतदाताओं को उन पर विश्वास होता है। लेकिन केजरीवाल एवं आप के उम्मीदवारों में ये गुण दूर-दूर तक दिखाई नहीं देते हैं, यही आप की करारी हार का कारण बना है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल की परिस्थितियों में बड़ी समानता रही हैं, पर हेमंत की तरह केजरीवाल दिल्ली की जनता का दिल जीतने में नाकामयाब रहे। दिल्ली में आप की हार केजरीवाल के लिए एक बड़ा व्यक्तिगत झटका है, जिससे राजनीति में उनके भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। दिल्ली का असर पंजाब की सियासत पर भी पड़ेगा। इसके अलावा राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी के विस्तार को लेकर अरविंद केजरीवाल की योजना धुंधली पड़ जायेगी। इंडिया गठबंधन के जो दल कांग्रेस के बजाय आम आदमी पार्टी के साथ खड़े थे, वो फिर से दूरी बनाते नजर आएंगे। इन चुनाव परिणामों ने कांग्रेस को भी आइना दिखा दिया है। उसने जिस तरह से भारत की 'सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय' की भावना को दबाया, सनातन परंपरा को दबाया एवं मोदी विरोध के नाम पर देश-विरोध पर उतर आयी, यही मूल्यहीन राजनीति उसकी हार का कारण बनी। अनेक वर्षों तक दिल्ली पर राज करने वाली कांग्रेस सत्ता में वापस आने के लिए इतनी बेचैन दिखाई दी कि वो हर दिन नफरत, द्वेष एवं घृणा की राजनीति करती रही है।

भाजपा की जीत और आप की हार के सियासी मायने

कमलेश पांडे

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में विगत 12 वर्षों से सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी यानी %आप% की हार और प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा की अप्रत्याशित जीत के सियासी मायने दिलचस्प हैं। इसके राजनीतिक असर भी दूरगामी होंगे। क्योंकि एक तरफ जहां भाजपा की जीत से केंद्र में सत्तारूढ़ एनडीए की एकजुटता मजबूत होगी, वहीं देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन में बिखराव को बढ़ावा मिलेगा।

ऐसा इसलिए कि इंडिया गठबंधन की अगुवा पार्टी कांग्रेस ने दिल्ली में अपने पूर्व गठबंधन सहयोगी आप, जो दिल्ली में लंबे समय से सत्तारूढ़ थी, को हराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे कांग्रेस ने आप से जहां अपना पुराना सियासी हिसाब-किताब बराबर कर लिया है, वहीं अपनी खोई राजनीतिक जमीन हासिल करने का शिलान्यास भी कर चुकी है। वहीं, अब उसमें इस बात की भी नई उम्मीद जगी है कि 2030 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में जब भाजपा से उसका सीधा मुकाबला होगा तो उसकी स्थिति और मजबूत होगी और उसका खोया जनाधार पुनः वापस लौट जाएगा।

बता दें कि 2010 के दशक के शुरुआती सालों में पूर्व नौकरशाह अरविंद केजरीवाल समेत आप के कतिपय प्रमुख नेताओं के द्वारा लोकप्रिय समाजसेवी अन्ना हजारे को आगे करके इंडिया अगेंस्ट करप्शन नामक एनजीओ के तत्वावधान में कांग्रेस की तत्कालीन डबल इंजन सरकार यानी मनमोहन सिंह सरकार और शीला दीक्षित सरकार के खिलाफ जो भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम चलाई गई, उससे 2013 में दिल्ली में 15 वर्षों से सत्तारूढ़ शीला दीक्षित सरकार और 2014 में केंद्र में 10 वर्षों से सत्तारूढ़ मनमोहन सिंह सरकार का सफाया हो गया था।

राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि चूंकि इस भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा का भी गुप्त समर्थन हासिल था, इसलिए यह आंदोलन काफी सफल रहा। हालांकि एनजीओ के बैनर तले शुरू हुए इस आंदोलन की देशव्यापी लोकप्रियता से उत्साहित समाजसेवियों ने जब आम आदमी पार्टी यानी आप का गठन करके दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी भागीदारी जताई तो आरएसएस और भाजपा ने इससे दूरी

बना ली। लेकिन तब तक अन्ना हजारे की आड़ में अरविंद केजरीवाल ने अपनी सामाजिक आभा इतनी चमका ली थी कि उनकी नवगठित पार्टी आप ने कांग्रेस की पूरी और बीजेपी की कुछ कुछ राजनीतिक जमीन हड़प ली।

यदि गौर किया जाए तो 2013 में जब आप ने धर्मनिरपेक्षता की आड़ में उसी कांग्रेस के सहयोग से भाजपा विरोधी गठबंधन सरकार का गठन किया, जिसका विरोध करके वह चुनाव जीती थी और त्रिशंकु विधानसभा की नौबत आई थी। कांग्रेस की इस एक मात्र भूल ने 2015 के मध्यावधि चुनाव में जहां उसका सफाया कर दिया, वहीं आप की ओर मुस्लिम मतदाताओं के बढ़े रुझान से उसे रिकॉर्ड जीत मिली। क्योंकि भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति देने के नाम पर दलितों, पिछड़ों और सवर्णों के अलावा पूर्वांचलियों और पहाड़ियों के साथ-साथ दिल्ली के पंजाबियों-बनियों ने भी आप का साथ दिया। इससे भाजपा भी भौंचक्की रह गई, क्योंकि 2014 में ही उसने पीएम मोदी के नेतृत्व में देश फतह किया था। हालांकि, उसके बाद से ही तत्कालीन गृहमंत्री राजनाथ सिंह को संतुलित करने की जो भाजपा के गुजराती-मराठी लॉबी की अंदरूनी राजनीति शुरू हुई, उससे पूर्वांचलियों में भाजपा की साख गिरी और आप को मजबूती मिली।

वहीं, 2020 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी आप की लोकप्रियता थोड़ी कम हुई, लेकिन भाजपा और कांग्रेस के मुकाबले काफी ज्यादा रही। इसके बाद जब आप ने पंजाब में कांग्रेस को, दिल्ली नगर निगम चुनाव में भाजपा को जबरदस्त शिकस्त दी तो कांग्रेस किंकर्तव्यविमूढ़, लेकिन भाजपा चौकन्नी हो गई। क्योंकि अरविंद केजरीवाल ने यूपी, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा समेत अन्य राज्यों में भी अपने पांव पसारने शुरू कर दिए। उन्होंने 2023 में आप को राष्ट्रीय पार्टी का तमगा भी दिलवा दिया। कांग्रेस, भाजपा और जनता पार्टी/जनता दल जैसी राष्ट्रीय पार्टियों के बाद आप एक ऐसी पहली क्षेत्रीय पार्टी बनी जिसने एक के बाद दूसरे राज्य यानी दिल्ली के बाद पंजाब में भी अपनी पूर्ण बहुमत वाली सरकार बना ली।

इससे दूरदर्शी भाजपा नेतृत्व सजग हो गया और उसने दिल्ली के उपराज्यपाल के माध्यम से आप सरकार को घेरने की रणनीति बनाई, क्योंकि अरविंद केजरीवाल हर बात में उपराज्यपाल और प्रधानमंत्री को ही निशाना बनाते रहते थे। इस बीच लोकसभा चुनाव 2024 के पहले कांग्रेस के नेतृत्व में बने देशव्यापी इंडिया गठबंधन से जब आप की आंखमिचौली शुरू हुई, तो दिल्ली में कांग्रेस-आप में 4:3 का समझौता हो गया, जबकि पंजाब में दोनों में दोस्ताना मुकाबला हुआ। इसमें कांग्रेस ने आप को धो दिया और पंजाब में आप से दोगुनी सीट जीत ली। तभी यह तय हो गया कि आप को यदि अपनी राजनीतिक जमीन बचानी है तो कांग्रेस से दूर जाना होगा। दिल्ली विधानसभा चुनाव में यह हुआ तो जरूर, लेकिन यहां भी आप का दांव उलटा पड़ गया।

दरअसल, आप एक ऐसी पार्टी के रूप में उभर रही थी, जो भाजपा और कांग्रेस से इतर सभी व्यवहारिक मुद्दों में स्पष्ट नजरिया रख रही थी। लेकिन जब से वह भाजपा के निशाने पर आई, उसकी भी रीति-नीति बदल गई। उससे टक्कर लेने के लिए वह जिन थैलीशाहों की शरण में गई, वही आप को ले डूबे। शराब घोटाला इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। जब तक आप बिजली-पानी फ्री देने, स्कूल-अस्पताल को सुधारने आदि पर फोकस किया, तबतक लोकप्रिय बनी रही। लेकिन कोरोना काल की अवैध वसूली और अपनी कतिपय क्षेत्रवादी व अभद्र नीति से जहां वह जनता में अलोकप्रिय हुई, वहीं नीतिगत शराब घोटाले ने उसकी सरकार को ही जेल में डाल दिया। आप सरकार के मुख्यमंत्री की जेल यात्रा और पूर्व उपमुख्यमंत्री की जेल यात्रा तो महज एक बानगी रही, उसके अन्य मंत्री व सांसद भी भ्रष्टाचार के आरोप में जेल गए और बमुश्किल जमानत पर रिहा हुए। उधर भाजपा ने अरविंद केजरीवाल के शीशमहल, वायु प्रदूषण, यमुना जल प्रदूषण, दिल्ली के कुछ इलाकों के नारकीय हालात आदि पर इतना फोकस किया कि लोगों को यह महसूस हुआ कि दिल्ली में आप की सरकार के रहते दिल्ली का अब और विकास नहीं हो सकता। इससे पहले भी दिल्ली के विकास का सारा श्रेय शीला दीक्षित सरकार को जाता है। वहीं, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आप को दिल्ली के लिए आपदा (आप-दा) करार दे दिया, क्योंकि यह सरकार विभिन्न महत्वपूर्ण केंद्रीय योजनाओं को दिल्ली में लागू ही नहीं होने देती थी। वहीं, कानून-व्यवस्था पर केंद्र सरकार को घेरती रहती थी, क्योंकि दिल्ली पुलिस गृह मंत्रालय के अंतर्गत होता है।

हालांकि, जब भाजपा ने आरएसएस के सहयोग से आप को दिल्ली की गली-कूची में घेरना शुरू किया, तब स्थिति बदलती। छठ पूजा के खिलाफ अरविंद केजरीवाल की सोच भी उनपर भारी पड़ी। कांग्रेस के खिलाफ सपा, तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना यूटीबी आदि का समर्थन भी आप को भारी पड़ा, क्योंकि इनकी पहचान मुस्लिम परस्त और देशद्रोही पार्टी की बनती जा रही है। वहीं, दिल्ली के दंगों को, शाहीन बाग जैसे धरनों और किसान आंदोलन जैसे महानगर विरोधी आंदोलनों को प्रत्यक्ष-परोक्ष समर्थन देना भी अरविंद केजरीवाल की राजनीति को भारी पड़ी। सच कहूं तो सियासी शिल्पकार भाजपा ने दिल्ली के राजनीतिक दंश को दूर करने के लिए एक सुनियोजित रणनीति अपनाई, जिसमें हरियाणा से लेकर महाराष्ट्र तक के अनुभवों को पिरोया। किसी भी व्यक्ति को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाने की जगह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर चुनाव लड़ना, वोट करना लोगों को अपील कर गया। वहीं, आप और कांग्रेस की तरह ही फ्रीबीज की बौछार करना भाजपा के लिए शुभ कारक रहा। क्योंकि लोगों ने मोदी की गारंटी को अहमियत दी। वहीं, बजट 2025-26 में मध्यम वर्ग को जो भारी कर राहत मिली, उससे बीजेपी के पक्ष में एक नई लहर पैदा हो गई। हालांकि, इस चुनाव में मध्यम वर्ग के मुद्दों पर प्रारम्भिक फोकस अरविंद केजरीवाल ने ही किया, लेकिन मतदान के ऐन मौके पर केंद्रीय बजट बाजीगरी दिखलाकर मोदी मैदान मार ले गए और आप हाथ मलती रह गई। दिल्ली की इस अप्रत्याशित जीत का फायदा एनडीए गठबंधन को बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में भी मिलेगा। वहीं, कांग्रेस यदि समझदारी दिखाकर इंडिया गठबंधन को पुनः मजबूत बनाती है तो वहां भी कांटे की टक्कर होगी, अन्यथा नहीं। क्योंकि वहां पर भी नवगठित जनसुराज पार्टी के मुखिया प्रशांत किशोर के रुख पर यह निर्भर करेगा कि एनडीए या इंडिया गठबंधन में किसका पलड़ा भारी होगा।

पुराण दिग्दर्शन .... तीसरा अध्याय

वेदों में अष्टादश पुराणों के नाम

(गतांक से आगे...)

देह प रथ है, जिसमें पांचों विषयेन्द्रियें रूपी तेज घोड़े जुते हैं, पाप पुण्य दो पहिये हैं, रजः सत्व और तमः तीनों गुण ध्वज हैं, सब घोड़ों की मनरूप एक जीव के बैठने का नीड़ पञ्च प्राणों से ही पांच जगह बन्धा है। ही लगाम है, बुद्धि सारथी है, हृदय ही रथ का अग्र स्थान है।

सुख और दुःख दोनों जगह बन्धन के स्थान हैं, पाँचों विषय ही प्रहण हैं तथा अस्थि मांस आदि सातों धातु ही उक्त रथ के आवेष्टन-वस्त्र (झामन) हैं, ऐसे रथ पर सवार होकर जीवरूप पुरंजन मृगतृष्णा की मृगया में आसक्त होता है। ग्यारह इन्द्रियों की फौज उसके साथ रहती है।

पाँच विषय ही पञ्चप्रस्थ वन हैं। विषयोपभोग की मृगतृस्णा से थककर हृदय रूपः रनिवास में आता है। बुद्धि को अनेक तरह से परेशान पाता है। समय पाकर इसप्रकार अनेक संकल्प विकल्प और समुदाय भी बढ़ जाता है और जीव इसी परिवार-आप को भूल बैठता है। 268/788 रति पकालके परिमाण का परिचायक संवत्सर ही चण्डवेग नामक गंधर्व-राज है। तीन सौ साठ दिन उसके सेनानायक हैं और अन्धेरी चांदनी दोनों प्रकार की तीन सौ साठ रात्रियां ही गन्धर्वणियाँ हैं, जो सब मिला कर 720 संख्या वाली सेना जन्मदिन से ही मनुष्य शरीर पर आक्रमण आरम्भ कर देती है।

अहङ्कार ही शरीररूप पुरंजन नगर का अध्यक्ष है जो उक्त सेना से अकेला जूझता रहता है। %जरा% बुढ़ापा ही काल की कन्या है, जो सब प्राणियों को वरती फिरती है। परन्तु उस हतभागनी को कोई भी पसन्द नहीं करता अतएव वह अन्त में अपने सगे भाई मृत्यु-भय (डर) को अपना पति बनाती है। समय पाकर वह भी पुरंजन नगर पर अपना अधिकार जमा लेती है।

क्रमशः ...

जीवन धारा : इधर-उधर के बजाय गंतव्य पर टिकाएं ध्यान

स्वामी सत्यानंद सरस्वती

आध्यात्मिक जीवन में अनेक मार्ग होते हैं। इन विभिन्न मार्गों का जीवन के लक्ष्य से कोई संबंध नहीं है। मार्गों का संबंध यात्रियों से तथा उनकी यात्रा आरंभ करने के स्थान से होता है।

आध्यात्मिक यात्रियों की पांच श्रेणियां होती हैं। सबसे पहली श्रेणी में मूढ़ लोग आते हैं, जो भ्रम में खोए हुए हैं और उन तक पहुंचना, उनको जगाना बहुत कठिन है। दूसरी श्रेणी में क्षिप्त चित्त वाले लोग आते हैं, जिनका दिमाग, इच्छाएं, कामनाएं, उद्देश्य, उपलब्धियां, कर्म, अभिव्यक्तियां, व्यक्तित्व, पसंद-नापसंद, रोग-द्वेष सब बिखरे हुए हैं। वे किसी एक विकल्प पर स्थिर नहीं हो पाते। कभी उनको फिल्म स्टार बनना है, तो कभी नेता बनना है। कभी उनको स्वर योग करने का मन करता

है, तो कभी कुंडलिनी योग। ऐसे लोगों को बोलते हैं क्षिप्त। उनका मन अस्थिर और चित्त अस्तव्यस्त रहता है। तीसरी श्रेणी के लोग घड़ी के पेंडुलम की तरह डोलते रहते हैं। घड़ी के पेंडुलम का कम से कम एक स्थिर मध्यबिंदु रहता है, जहां वह रुकता है। तुम्हारा मन इधर-उधर भटकता रहता है, फिर तुम प्राणायाम का अभ्यास करते हो। तुम अन्य किसी विषय के बारे में सोचने लगते हो कि अचानक ख्याल आता है, मैं तो प्राणायाम कर रहा था और फिर वापस अभ्यास करने लगते हो। जब मन भटकता है, तो तुम उसे फिर से वापस केंद्र में ला सकते हो।

यह मन की तीसरा श्रेणी है, जिसे विक्षिप्त कहा जाता है। मूढ़, क्षिप्त और विक्षिप्त- ये तीन मन की श्रेणियां हैं, अधिकतर लोग इन्हीं श्रेणियों में आते हैं। चौथी श्रेणी है एकाग्र चित्त वालों की। वे चाहे खाएं, पीएं या जो भी काम करें, उनका सारा ध्यान एक चीज पर केंद्रित रहता है। यह चित्त की बहुत ऊंची अवस्था है। एकाग्रचित्त की एक सुप्रसिद्ध कथा है। एक बार गुरु द्रोणाचार्य अपने शिष्यों को धनुर्विद्या सिखा रहे थे। उन्होंने सबको बारी-बारी से बुलाया और सबसे एक ही प्रश्न किया, 'तुम्हें सामने वाले वृक्ष पर क्या दिखाई दे रहा है?' ज्यादातर ने कहा कि मुझे वृक्ष, उनकी शाखाएं, टहनियां, पत्ते और पक्षी दिखाई दे रहे हैं। अंत में अर्जुन ने कहा, मुझे मात्र एक काला बिंदु, पक्षी की आंख दिखाई दे रही?है। अगर तुम्हें पक्षी की आंख का भेदन करना है, तो तुम्हें अपने मन के लेंस को केंद्रित करना होगा, ताकि यह केवल लक्ष्य को देखे। पांचवीं अवस्था निरुद्ध चित्त यानी चित्त की नियंत्रित अवस्था है।?जैसे आप कार को रोकने के लिए ब्रेक लगाते हैं, उसी प्रकार मन की गति को रोकना निरोध कहलाता है। यह बहुत उच्च अवस्था है।

सूत्र- खुद को स्वीकारें

आत्मनिरीक्षण करने के लिए अपने प्रति ईमानदार बनना होगा। पहले अपने आप को स्वीकार करो, फिर पता लगाओ कि मैं कौन हूं। अपने को जानने के एक नहीं अनेक तरीके हैं। तुम्हें एक आईने की आवश्यकता होगी। तुम्हारा आलोचक तुम्हारा आईना है, क्योंकि वह तुम्हारा सच्चा रूप तुम्हें दिखा देता है।

ट्रंप ने भारत सहित सभी मुल्कों को दिया सीधा संदेश?

अभिनय आकाश

5 फरवरी का दिन दिल्ली में विधानसभा चुनाव के लिए मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए करो में लगे हुए थे। दूसरी तरफ देश की राजधानी से किलोमीटर दूर प्रयागराज के संगम तट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गंगा में डुबकी लगाते हुई तस्वीर है सामने आ रही थी। लेकिन इन दोनों ही राजनीतिक और आस्था से जुड़ी खबरों के बीच अमृतसर में भारतीय नागरिकों को लेकर अमेरिका का सैन्य विमान ग्लोब मास्टर सी17 लैंड करता है। ट्रंप प्रशासन ने यह कदम प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा से ठीक पहले उठाया है। हाल में ट्रंप और मोदी की फोन पर हुई बातचीत में अवैध प्रवास, व्यापार संतुलन और अमेरिका से रक्षा खरीद पर चर्चा हुई थी। पंजाब के प्रवासी मामलों के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने कहा कि कई भारतीय वर्क परमिट पर अमेरिका जाते हैं और परमिट खत्म होने पर वे अवैध प्रवासी बन जाते हैं। मैं इस बारे में अगले हफ्ते विदेश मंत्री एस जयशंकर से मिलूंगा और समस्या के समाधान को कहूंगा। लेकिन भारत में अवैध प्रवासियों को सैन्य विमान में भेजे जाने के बाद कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। विपक्ष की ओर से संसद में खड़े होकर अबकी बार ट्रंप सरकार के नारे के साथ केंद्र सरकार से सवाल पूछे जाने लगे हैं। वहीं कांग्रेस की ओर से हथकड़ी लगाकर भारतीयों के साथ इस तरह का व्यवहार किए जाने को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। ट्रंप द्वारा अप्रवासियों को देश से बाहर भेजने के तरीकों पर उठते सवालों के बीच आज आपको एक ऐसे छोटे से देश के बारे में भी बताते हैं जो अपने नागरिकों के गरिमा के लिए ट्रंप से भी भिड़ते नजर आए थे।

ट्रंप ने राष्ट्रपति ननते ही कई ऐसे शासकीय आदेशों पर दस्तखत किए थे जिनका अजेंडा अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई करने को लेकर था। मोटे तौर पर उन्होंने उस सिस्टम में बदलाव किया, जिसके तहत अब तक अमेरिका में इमिग्रेशन को हैंडल किया

जा रहा था। कई उड़ानों में ब्राजील समेत कई देशों के अवैध प्रवासियों को वापस भेजा गया। बीते दिनों मीडिया में इस तरह की रिपोर्ट भी आई भी कि भारत करीब 18 हजार ऐसे भारतीयों को अमेरिका से वापस लेने के लिए यूएस से सहयोग करेगा, जिनके पास वहां राहने को लेकर सह कागज नहीं हैं।

कोलंबिया के राष्ट्रपति ने अपनी धरती पर अमेरिका के सैनिक विमान को उतरने नहीं दिया। उन्होंने कहा कि प्रवासियों को हथकड़ी में डालना उनके साथ अपराधियों जैसा बर्ताव करना है। यह उनकी गरिमा का हनन है और सेना की कार्रवाई प्रोटोकॉल का उल्लंघन है जब ट्रंप ने टैरिफ लगाने की धमकी दी, तब कोलंबिया के राष्ट्रपति पेट्रो को पीछे हटना पड़ा। लेकिन तब भी उन्होंने अपने नागरिकों को देश वापस लाने के लिए अमेरिका तक अपनी वायु सेवा की विमान भेजें और अपने नागरिकों को बुलाया। अमेरिका के विमान को स्वीकार नहीं किया। कोलंबिया ने अपने नागरिकों के गरिमापूर्ण वापसी के लिए बकायदा एक कमेटी भी बनाई। कोलंबिया के राष्ट्रपति ने इन अवैध प्रवासियों को अपनी नजर से देखा। अपने नागरिकों का स्वागत करते हुए कहा कि माइग्रेंट होना अपराध नहीं है। यह सच भी है कि किसी भी देश की धरती पर किसी दूसरे देश का सैन्य विमान उनके ही नागरिकों को अपराधियों की तरह लेकर उतरे इस तरह की तस्वीर किसी को भी अच्छी नहीं लगेगी।

कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने सीधे संदेश देते हुए ट्रंप को आईना भी दिखाया। उन्होंने कहा कि ट्रम्प, आपकी लालव मानवता को तबाह कर देगी। शायद एक दिन व्हिस्की के गिलास के साथ हम इस बारे में खुलकर बात कर सकते है लेकिन यह मुश्किल है क्योंकि आप मुझे हीन मानते हैं जो मैं नहीं है और नहीं कोई कोलबियाई है। हां अगर आप किसी जिदी व्यक्ति की तलाश में है तो वह मैं हूं। कोलंबिया दुनिया का दिल है और आप इसे समझ नहीं पाए। हमारे लोग थोड़े शर्मीले, भोले और दयालु है लेकिन वे पनामा नहर को वापस लेना जानते है जिसे आपने हमसे जबरन छीन लिया। कोलंबिया सुंदरता की धरती है। इसे अपमानित मत कीजिए। यह आपको अपनी मिठास दिखाएगी।

अमेरिकी मीडिया में बहस चल रही है कि ट्रंप जानबूझकर सैन्य विमान का इस्तेमाल कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि अमेरिका पड़ोसी देशों की जमीन पर अपना सैनिक विमान उतार रहा है। विमान का उतरना यह भी याद दिला रहा है कि कभी इन देशों में राजनीतिक अस्थिरता पैदा की गई थी। यह विमान उन देशों को भी चुनौती है कि अमेरिका का प्रभुत्व स्वीकार कर लें। सैन्य विमान से नागरिकों को भेजने का मकसद यह भी दिखाना है कि यह सारे अपराधी हैं। ट्रंप अपने चुनावी प्रचार में अमेरिका में घुसने वाले अवैध लोगों को अपराधी और एलियन कहते थे। ट्रंप ने भारत के अलावा ब्राज़ील, ग्वाटेमाला, पेरू और होंडूरास तक सेना के जहाज से उनके नागरिकों को भेजा है। सेना के विमान से अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने के फ़ैसले को लेकर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ख़ासी निंदा भी की गई है।

अमेरिका से अवैध प्रवासियों को वापस भेजे जाने के बीच कांग्रेस ने कहा कि भारतीय नागरिकों को हथकड़ी लगाकर और अपमानित करके निर्वासित किए जाने की तस्वीरें दुखद हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि जब भारतीय राजनयिक देवयानी खोबरागड़े को अमेरिका में हथकड़ी लगाई गई थी, तब अमेरिकी राजदूत से कड़ा विरोध दर्ज कराया गया था। भारत सरकार ने यूएस दूतावास से कई सुविधाएं वापस ले ली थीं।

24 फरवरी को ट्रंप की प्रेस सेक्रेटरी ने एक तस्वीर शेयर की जिसमें एक कतार में लड़कों को सेना के जहाज में ले जाया जा रहा है। इनके कमर में जंजीर बंधी हुई है, उनके हाथों में हथकड़ी और पैरों में बेड़ियां हैं। इस तस्वीर को पोस्ट करते हुए प्रेस सेक्रेटरी ने लिखा था कि राष्ट्रपति ट्रंप दुनिया को साफ संदेश दे रहे हैं। अगर आप अवैध रास्ते से अमेरिका आएंगे तो उसके गंभीर परिणाम होंगे। ऐसे में 104 भारतीयों को लेकर अमृतसर में अमेरिकी विमान के उतरने के बाद यह सवाल उठाए जाने लगे कि जब अमेरिका ने मेक्सिको और ब्राजील के प्रवासियों के अंदाज में भेजा है तो क्या उसने भारतीयों को भी इस तरह से भेजा होगा?

आज का इतिहास

1975 रूसी अंतरिक्ष यान सोयुज 17 अंतरिक्ष से 29 दिन बाद धरती पर लौटा।

1976 ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल का गठन ऑस्ट्रेलियाई सेना, रॉयल ऑस्ट्रेलियाई नौसेना और रॉयल ऑस्ट्रेलियाई वायु सेना के एकीकरण द्वारा किया गया था।

1979 अफ्रीकी देश नाइजीरिया में संविधान बदला गया।

1992 अलजीरिया के संसदीय चुनावों में इस्लामी प्रवृत्ति वाले धड़े की भारी सफलता के बाद सत्तासीन सैनिकों ने चुनावों के परिणामों को निरस्त और अलजीरिया इस्लामी मुक्तिमोर्चे को गैर कानूनी घोषित किया।

1995 न्यूयॉर्क शहर के कोर्ट थिएटर में खोले गए हेइरेस नामक गुप्त प्रदर्शन को 340 प्रदर्शन करने की अनुमति दी गई।

1997 डेड्यू रेनॉल्ड जो एक प्रसिद्ध कॉमेडियन थे, उन्हें 1997 में आयोजित 11 वें अमेरिकी कॉमेडी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

1998 जॉर्जियाई राष्ट्रपति एडुअर्ड शेवर्नडज़े पर पारित किया गया असाइनमेंट प्रयास प्रयास के परिणामस्वरूप विफल रहा।

2001 अमेरिकी पनडुब्बी यूएसएस ग्रीनविले गलती से उवाजीमा फिशरी हाई स्कूल द्वारा संचालित एक जापानी प्रशिक्षण पोत एहिम मारू से टकरा गई।

2002 XIX शीतकालीन ओलंपिक वर्ष 2002 में यूटा या क्यूबेक सिटी नामक साल्ट लेक सिटी में खुलता है।

2007 पाकिस्तान की विपक्षी पार्टी जमायती उलेमा इस्लामी ने जिन्ना को स्वतन्त्रता सेनानी की सूची से हटाया।

2010 फ्रामर फिलीपीन के राष्ट्रपति गुएरिन मैकापगल- अरोयो और 196 अन्य पर नवंबर 2009 में मागुइंडानाओ नरसंहार से संबंधित हत्या के मामले में आरोप लगाए गए हैं।

2012 दिवालिया होने के दौरान, एक लागत बचत उपाय किया गया है कि ईस्टमैन कोडक को रिपोर्ट करने की अनुमति न दें डिजिटल कैमरा, पॉकेट वीडियो कैमरा और डिजिटल पिक्चर फ्रेम अब किसी भी समय।

2011 विकी लीक्स ने कहा कि सऊदी अरब ने अपने कच्चे तेल के भंडार को 40% बढ़ा दिया है जो कि गार्जियन द्वारा प्रकाशित किया गया है।

2013 एनेट स्कोवन जो शिक्षा और अनुसंधान के जर्मनी के संघीय मंत्री थे, ने डसेलडोर्फ विश्वविद्यालय द्वारा साहित्यिक चोरी के लिए डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

रेपो दर में कमी के साथ ही भारत में ब्याज दरों के नीचे जाने का चक्र प्रारंभ

प्रह्लाद सबनानी

भारतीय रिजर्व बैंक के नवनियुक्त अध्यक्ष संजय मल्होत्रा ने अपने कार्यकाल की प्रथम मुद्रानीति दिनांक 7 फरवरी 2025 को घोषित की। अभी तक प्रत्येक दो माह के अंतराल पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा घोषित की गई मुद्रा नीति के माध्यम से लिए गए निर्णयों का देश में मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में रखने में विशेष योगदान रहा है। हालांकि पिछले लगभग 5 वर्षों में रेपो दर में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया गया है। मई 2020 में अंतिम बार रेपो दर में वृद्धि की घोषणा की गई थी। इसके बाद घोषित की गई 29 मुद्रा नीतियों में रेपो दर को स्थिर रखा गया है और यह अभी भी 6.5 प्रतिशत के स्तर पर कायम है। परंतु,अब फरवरी 2025 माह में घोषित की गई मुद्रा नीति में रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 6.50 प्रतिशत से 6.25 प्रतिशत पर लाया गया है। केंद्र सरकार द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक को देश में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रण में रखने हेतु मेंडेट दिया गया है और इस मेंडेट पर ध्यान रखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने देश में मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में रखने में सफलता भी पाई है। परंतु, वित्तीय वर्ष 2024-25 के प्रथम एवं द्वितीय तिमाही में देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर घटकर 5.2 प्रतिशत एवं 5.4 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई थी, जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत की रही थी। अत: देश में आर्थिक विकास की दर पर भी अब विशेष ध्यान देने की आवश्यकता प्रतिपादित हो रही थी, इसीलिए भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं में कमी की घोषणा की है। रेपो दर में कमी करने का उक्त निर्णय मुद्रानीति समिति के समस्त सदस्यों ने एकमत से लिया है।

भारतीय रिजर्व बैंक के आंकलन के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-45 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 6.4त्र की रहेगी और वित्तीय वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 6.7 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच जाएगी। इस वर्ष खरीफ की फसल बहुत अच्छे स्तर पर आई है एवं आगे आने वाली रबी की फसल भी ठीक रहेगी क्योंकि मानसून की बारिश अच्छी रही थी और देश के जलाशयों में, क्षमता के अनुसार, पर्याप्त पानी इन जलाशयों में उपलब्ध है, जिसे कृषि सिंचाई के लिए उपयोग में लाया जा रहा है और जो अंतत: कृषि की पैदावार को बढ़ाने में सहायक होगा। इससे ग्रामीण इलाकों में उत्पादों की मांग में वृद्धि देखी गई है। हालांकि शहरी इलाकों में उत्पादों की मांग में अभी भी सुधार दिखाई नहीं दिया है। परंतु हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा मध्यमवर्गीय करदाताओं को आय कर में दी गई जबरदस्त छूट के चलते आगे आने वाले समय में शहरी क्षेत्रों में भी उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होगी और विनिर्माण क्षेत्र में कार्यरत औद्योगिक इकाईयों की उत्पादन वृद्धि दर तेज होगी। सेवा क्षेत्र तो लगातार अच्छा प्रदर्शन कर ही रहा है। प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ मेले में धार्मिक पर्यटन के चलते देश की अर्थव्यवस्था में लगभग 2 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त योगदान होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस प्रकार, भारत की आर्थिक विकास दर के वित्तीय वर्ष 2023-24 में लगभग 7 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 में लगभग 8 प्रतिशत रहने के प्रबल सम्भावना बनती है। भारतीय रिजर्व बैंक का आंकलन उक्त संदर्भ में कम ही कहा जाना चाहिए।

इसी प्रकार मुद्रा स्फीति के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर वित्तीय वर्ष 2024-25 में 4.8 प्रतिशत एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 में घटकर 4.2 प्रतिशत रह सकती है। भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई की दर मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों के

महंगे होने के चलते ही बढ़ती है, जिसे ब्याज दरों को बढ़ाकर नियंत्रण में नहीं लाया जा सकता है। हेडलाइन मुद्रा स्फीति की दर अक्टूबर 2024 में अपने उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गई थी परंतु उसके बाद से लगातार नीचे ही आती रही है। इसी प्रकार, कोर मुद्रा स्फीति की दर भी लगातार नियंत्रण में बनी रही है। केवल खाद्य पदार्थों में के महंगे होने के चलते उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई पर दबाव जरूर बना रहा है। इस प्रकार महंगाई दर के नियंत्रण में आने से अब भारत में ब्याज दरों में कमी का दौर प्रारम्भ हो गया है। आगे आने वाले समय में भी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में कमी की घोषणा की जाती रहेगी ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है और दिसम्बर 2025 तक रेपो दर में लगभग 100 आधार बिंदुओं की कमी की जा सकती है और रेपो दर घटकर 5.25 प्रतिशत तक नीचे आ सकती है। हालांकि भारतीय रिजर्व बैंक का कहना है कि देश में आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर रेपो दर में परिवर्तन के बारे में समय समय पर विचार किया जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने नीति उद्देश्य को भी निष्पक्ष रखा है परंतु चूंकि ब्याज दरों में अब कमी करने का चक्र प्रारम्भ हो चुका है अत: इसे उदार रखा जा सकता था। इसका आश्य यह है कि आगे आने वाले समय में भी रेपो दर में कमी की सम्भावना बनी रहेगी।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में की गई कमी की घोषणा के बाद अब विभिन्न बैंकों को ऋणराशि पर ब्याज दरों को कम करते हुए ऋणदाताओं को लाभ पहुंचाने के बारे में शीघ्रता से विचार करना चाहिए जिससे आम नागरिकों द्वारा बैकों को अदा की जाने वाली किश्तों एवं ब्याज राशि में कुछ राहत महसूस हो सके। इससे अर्थव्यवस्था में भी कुछ गति आने की सम्भावना बढ़ेगी।

दिसम्बर 2024 माह में देश में तरलता में कुछ कमी महसूस की जा रही थी और बैकों के पास ऋण प्रदान करने योग्य फंड्ज की कमी महसूस की जा रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक ने तुरंत निर्णय लेते हुए आरक्षित नकदी अनुपात (ष्टक्रक्र) को 4.5 प्रतिशत से घटाकर 4 प्रतिशत कर दिया था, जिससे बैकों की तरलता की स्थिति में कुछ सुधार दृष्टिगोचर हुआ था। बैकों के लिए इसे अधिक सरल बनाने की दृष्टि से जनवरी 2025 में भी भारतीय रिजर्व बैंक ने लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपए बांड्ज विभिन्न बैकों से खरीदे थे ताकि इन बैकों की तरलता की स्थिति में और अधिक सुधार किया जा सके और बैकिंग सिस्टम में तरलता की वृद्धि की जा सके। उक्त वर्णित उपायों का परिणाम यह है कि आज भारतीय बैकों का ऋण-जमा अनुपात 80.8 प्रतिशत के स्तर पर बना हुआ है और बैकों की लाभप्रदता में भी लगातार सुधार होता दिखाई दे रहा है। विभिन्न बैकों द्वारा अभी तक घोषित किए गए परिणामों के अनुसार, बैकों ने लगभग 1.50 लाख करोड़ रुपए का लाभ घोषित किया है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जरूर परिस्थितियां अभी भी अस्थिर बनी हुई हैं और वैश्विक स्तर पर रुपए पर दबाव बना हुआ है। अभी हाल ही में डॉलर इंडेक्स 109 के स्तर तक पहुंच गया था और 10 वर्षीय यू एस बांड यील्ड भी 4.75 प्रतिशत तक पहुंच गई थी, इससे अन्य देशों की मुद्राओं पर दबाव बढ़ता जा रहा है और आज अमेरिकी डॉलर के मुकाबले में रुपए की कीमत अपने निचले स्तर 87.66 पर पहुंच गई थी। परंतु, आगे आने वाले समय में अमेरिका में भी यदि ब्याज दरों में कमी की घोषणा होती है तो भारत में भी ब्याज दरों में कमी का चक्र और भी तेज हो सकता है। ब्रिटेन एवं कुछ अन्य यूरोपीयन देशों ने भी हाल ही के समय में ब्याज दरों में कमी की घोषणा की है। चूंकि अब कई देशों में मुद्रा स्फीति नियंत्रण में आ चुकी है अत: अब लगभग समस्त देश ब्याज दरों में कमी की घोषणा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इससे अब आने वाले समय में इन देशों में आर्थिक विकास दर में कुछ तेजी आते हुए भी दिखाई देगी। अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने के चलते अमेरिका के शेयर बाजार में केवल जनवरी 2025 माह में ही 15,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निवेशकों द्वारा डाली गई है, जबकि भारत के शेयर बाजार से 2.50 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा निकाली गई है, इससे भी भारतीय रुपए पर दबाव बना हुआ है। परंतु भारतीय रिजर्व बैंक को शायद आभास है कि यह समस्या अस्थायी है एवं भारतीय कम्पनियों की लाभप्रदता में सुधार होते ही विदेशी संस्थागत निवेशक पुन: भारतीय शेयर बाजार में अपने निवेश को बढ़ाएंगे। अमेरिका एवं चीन के बीच छिड़े व्यापार युद्ध का प्रभाव भी भारत पर सकारात्मक रहने की सम्भावना है क्योंकि इससे यदि चीन से अमेरिका को निर्यात कम होते हैं तो सम्भव हैं कि भारत से अमेरिका को निर्यात बढ़ें। भारत से निर्यात बढ़ने पर भारतीय रुपए पर दबाव कम होने लगेगा, जिससे भारतीय रिजर्व बैंक को भारत में रेपो दर को कम करने में और अधिक आसानी होगी।

उन्मादी बनाते इंटरनेट मीडिया पर अंकुश लगे

ऋषभ मिश्रा

अक्सर खुद को बोरियत से बचाने के लिए रील्स या वीडियोज पर घंटों तक समय बिताने अथवा 'स्क्रॉल' करने वाले लोग शायद 'ब्रेन रॉट' का सामना कर रहे हैं। इसे ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने 2024 का शब्द चुना है। इसका मतलब है बहुत देर तक मोबाइल या कम्प्यूटर पर बेकार की चीजें देखने से दिमाग पर बुरा असर पड़ना जिसके फलस्वरूप हमारे बौद्धिक स्तर में गिरावट आना। जब हम इंटरनेट मीडिया पर घंटों देर तक 'कंटेंट' देखते रहते हैं तब हमारा दिमाग थक जाता है और हम सही से सोच नहीं पाते हैं। ब्रेन रॉट का सीधा संबंध हमारे सोचने के तरीके से है

और सोचने के तरीकों में आ रही विसंगति से ही हम असहिष्णु और उन्मादी भी बनते जा रहे हैं। कुछ आंकड़े भी इस बात की गवाही देते हैं। जैसे 'एंटी डिफेमेशन लीग' की रिपोर्ट बताती है कि 2024 में इंटरनेट मीडिया पर 'ऑनलाइन हैरेसमेंट' में 22 फीसदी तक की वृद्धि हुई है। इंटरनेट मीडिया के 'एल्गोरिदम' को उपभोक्ता (यूजर्स) से अधिक जोड़े रखने के लिए डिजाइन किया जाता है। हालांकि इसका दुष्प्रभाव है कि ये अक्सर सनसनीखेज या नफरत फैलाने वाले कंटेंट को प्राथमिकता देते हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान यह है कि जब भी देशों में तनाव की स्थिति होती है तब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नफरत भरे भाषणों में अधिकांशत: वृद्धि हो जाती है। उदाहरण के लिए 2020 में 'ब्लैक लाइव्स मैटर' के विरोध प्रदर्शनों के दौरान अश्वेतों के खिलाफ झूठी खबरें (फेक न्यूज) फैलाई जा रही थीं। आंकड़े भी इस बात की गवाही देते हैं। 'नाइट फाउंडेशन' द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में पाया गया है कि 70 फीसदी इंटरनेट मीडिया यूजर्स ने माना है कि एल्गोरिदम इंटरनेट मीडिया पर अतिवाद के प्रसार में योगदान करते हैं। इंटरनेट मीडिया के इस दुष्प्रभाव से लड़ने के लिए कई देशों ने कदम उठाए हैं। 'फिनलैंड' देश की सरकार ने अपने राष्ट्रीय शिक्षा पाठ्यक्रम में डिजिटल साक्षरता (डिजिटल लिटरेसी) को शामिल किया है, जिसके अंतर्गत छात्रों को विश्वसनीय जानकारी और गलत जानकारी के बीच अंतर सिखाया जाता है। 'हेलसिंकी' विश्वविद्यालय के अध्ययन में पाया गया कि जिन छात्रों ने डिजिटल साक्षरता में भाग लिया उनकी ऑनलाइन जानकारी की समझ में 30 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई। न्यूजीलैंड में 2019 में क्राइस्टचर्च मस्जिद की शूटिंग के बाद न्यूजीलैंड ने 'हेट स्पीच' व फेक न्यूज के लिए सख्त नियम लागू किए। साथ ही नफरत भरे भाषणों पर संवाद बढ़ाने के लिए 'कम्युनिटी ग्रुप्स' की शुरुआत की गई, जिसके प्रभाव के चलते न्यूजीलैंड के आंतरिक मामलों के मंत्रालय के सर्वे में पाया गया कि कम्युनिटी ग्रुप्स में भाग लेकर 75 फीसदी लोगों में डिजिटल समझ बढ़ी। वहीं स्वीडिश सरकार ने युवा लोगों के लिए डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम शुरू किए हैं।

राजस्थान सरकार की माइनिंग सेक्टर में लंबी छलांग

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

माइनिंग सेक्टर के महत्व को रुस यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में अमेरिका की हालिया नीति के चलते आसानी से समझा जा सकता है। अमेरिका की यूक्रेन की खनिज संपदा पर नजर है और वह चाहता है कि यूक्रेन को सहयोग करने के बदले में यूक्रेन की खनिज संपदा के दोहन का प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से अधिकार अमेरिका को मिल जाए। यही हालात दुनिया के दूसरे देशों की है। आज चीन की मोनोपोली से सभी देश गले तक भर आये हैं वहीं दुनिया के देश खनिज संपदा के भण्डारों की खोज व खनन के विकल्प ढूंढने लगे हैं। यही कारण है कि पिछले एक दशक में मिनरल एक्सप्लोरेशन के कार्य में तेजी आई है। हमारे देश में सतत खनन विकास पर जोर दिया जाने लगा है और 2016-17 से मेजर हो या माइनर मिनरल सभी माइंस नीलाम करना अनिवार्य कर दिया गया है। बदली परिस्थितियों में यह भी साफ हो जाना चाहिए कि सरकारों की ईच्छा शक्ति पर बहुत कुछ निर्भर करता है। इसका ताजातरीन उदाहरण राजस्थान सरकार और राजस्थान का खान एवं भूविज्ञान मंत्रालय है। देश-दुनिया में अवैध खनन गतिविधियों के लिए कुख्यात माइनिंग सेक्टर को नई पहचान देने के कारगर प्रयास राजस्थान में भजन लाल शर्मा सरकार ने कर के दिखाया है। केवल एक साल की समयावधी में ही माइनिंग सेक्टर में राजस्थान समूचे देश में लंबी छलांग लगाने लगा है। दिसंबर, 24 में

सरकार ने कार्यभार संभालते ही माइनिंग सेक्टर में दो दिशाओं में तेजी से कदम बढ़ाये। पहला अवैध खनन गतिविधियों पर कारगार अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया तो दूसरी और सरकार ने साफ संदेश दे दिया कि खनिज बहुल क्षेत्रों की एक्सप्लोरेशन रिपोर्ट का अध्ययन करते हुए डेलिनियेशन और प्लॉट व ब्लॉक तैयार करने के कार्य को प्राथमिकता दी जाए और विभाग इन तैयार प्लॉटों व ब्लॉकों की नीलामी का रोडमेप बनाकर पारदर्शी ऑक्शन प्रक्रिया को अमली जामा पहुंचायें। सरकार की मंशा के अनुसार विभागीय अमला भी जुट गया और नई सरकार बनने के तीन माह में ही 15 मेजर मिनरल ब्लॉकों का भारत सरकार के पोर्टल पर ई-नीलामी की गई तो एक साल से कुछ ही अधिक समय में नई सरकार बनने के बाद के जनवरी, 25 तक 15 ब्लॉकों सहित 15 जोड़ 33 ब्लॉक कुल 48 मेजर मिनरल ब्लॉकों की सफल नीलामी कर नया इतिहास रच दिया गया। राज्य सरकार की उपलब्धि को केन्द्र सरकार द्वारा भी सराहा गया और इसी 20 जनवरी, 25 को ओडिशा के कोणार्क में आयोजित नेशनल मांइस मिनिस्टर्स कॉन्फ्रेंस में वर्ष 2023-24 में देश में सर्वाधिक मेजर मिनरल ब्लॉक के ऑक्शन करने पर राजस्थान को प्रथम पुरस्कार देकर राजस्थान के प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। जिस तरह के आंकड़ें भारत सरकार के पोर्टल पर प्रदर्शित हो रहे हैं उससे साफ हो जाता है कि वर्ष 2024-25 में भी राजस्थान मेजर मिनरल ब्लॉकों की ई-नीलामी में समूचे देश में शीर्ष पर रहेगा।

देश दुनिया में माइनिंग सेक्टर की जो इमेज रही है उसे देखते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने खान मंत्रालय की जिम्मेदारी अपने पास रखी और कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में पिछले एक साल में माइनिंग सेक्टर ने खनिज खोज से लेकर माइनर एवं मेजर मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन, एमनेस्टी योजना, ड्रोन सर्वे, एकबारीय समाधान योजना, नई और प्रगतिशील खनिज नीति, एम-सेण्ड नीति, माइनिंग सेक्टर में औद्योगिक निवेश और रोजगार के विपुल अवसर सृजित करने के अवसर विकसित कर दिए हैं। 2017 में केन्द्र सरकार ने तय किया कि देश में सभी जगह माइनिंग मिनरल्स की खुले ऑक्शन के माध्यम से ही दिए जाएंगे। इससे बहुत हद तक माइनिंग मिनरल्स की बंदर बांट पर रोक लग सकी। केन्द्र सरकार ने मेजर मिनरल्स के ऑक्शन की स्वयं के स्तर पर भी मोनेटरिंग आरंभ कर व्यवस्था को पारदर्शी और खनिज प्रधान प्रमुख राज्यों के बीच स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा की राह प्रशस्त की है। इसे देश के खनिज क्षेत्र का अग्रणी कदम माना जा सकता है।

राजस्थान खनिजों की दृष्टि से समृद्ध प्रदेश हैं। राज्य में उपलब्ध 82 प्रकार के खनिजों में से राज्य में 57 खनिजों का व्यवसायिक स्तर पर खनन किया जा रहा है, जिससे वर्तमान में लगभग 35 लाख लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त हो रहा है। राज्य सरकार ने एक बात साफ समझी है कि बेशकीमती खनिजों के अवैध खनन पर अंकुश लगाने का सबसे कारगर तरीका खनिज क्षेत्रों के ब्लॉक या प्लॉट तैयार कर इन्हें पारदर्शी से तरीके से ई पोर्टल के माध्यम से नीलाम किया जाए। इससे अवैध खनन का एक कारण पर तो रोक लग ही सकती है। क्योंकि खानधारक अपने क्षेत्र में तो दूसरे को अवैध खनन गतिविधि नहीं चलाने देगा। इससे बहुत हद तक बेशकीमती खनिजों के अवैध खनन को रोका जा सकता है। वैध खननधारक पर भी अवैध खनन गतिविधियों के लिए अब राज्य सरकार ड्रोन से एसेसमेंट अनिवार्य करने जा रही है। इसी तरह के अन्य सुधारात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। ऐसे में राजस्थान ही नहीं देश के खनिज प्रधान अन्य राज्यों की सरकारों को भी एग्रेसिव कदम उठाने होंगे ताकि देश की खनिज संपदा के अवैध खनन से होने वाले नुकसान से बचाया जा सके। इसके साथ ही वैध खनन और सस्टेनेबल माइनिंग पर जोर देकर खनिज संपदा का बेहतर दोहन हो सके।

वोट बैंक के कारण भारी पड़ रहे हैं तुगलकी पंचायती फैसले

योगेंद्र योगी

देश को अंग्रेजों से आजाद हुए 77 साल हो गए लेकिन कानून का राज अभी तक पूरी तरह कायम नहीं हो सका। राजनीतिक दलों के वोट बैंक के कारण जातिगत पंचायतें अभी भी कानून से इतर तुगलकी फरमान दे रही हैं। इन फरमानों के आगे शासन-प्रशासन बौने साबित हो रहे हैं। राजस्थान के करौली जिले में मीणा महासभा की महापंचायत ने लड़की पक्ष द्वारा विवाह से इंकार किए जाने पर ऐसा ही एक फरमान जारी कर दिया और प्रशासन मूक-बधिर बने खड़ा रहा। महापंचायत द्वारा गठित कमेटी ने रौंसी गांव के लड़की पक्ष के लोगों पर 11 लाख रुपए, रिश्ता तय करने में मध्यस्थ रहे दो जनों पर एक-एक लाख रुपए का दंड लगाया गया। साथ ही रौंसी गांव में लड़के पक्ष पर लगाए 11 लाख के दंड को महापंचायत ने खारिज दिया।

साथ ही फैसला देने वाले रोंसी क्षेत्र के 5 लोगों को 1100 -1100 रुपए से दंडित कर 5 साल के लिए समाज की जाजम से बाहर करने की बात कही। जिन जनप्रतिनिधियों का काम कानून का शासन स्थापित कराना होता, वही कानून की धज्जियों उड़ाने वाले ऐसे आदिम फैसलों के समर्थन में खड़े नजर आए। इस महापंचायत में टोडाभीम विधायक घनश्याम महर भी पहुंचे। आश्चर्य की बात यह है कि शांति व्यवस्था व महापंचायत पर नजर बनाए रखने के नाम पर 50-60 पुलिसकर्मी भी मौजूद थे, किन्तु कोई कार्रवाई नहीं कर सके। महापंचायत की मनमाने निर्णय पर सत्तारुढ़ भाजपा और

विपक्षी कांग्रेस ने कोई एतराज नहीं जताया। मानवाधिकार आयोग को भी अधिकारों के हनन करने वाले ऐसे निर्णय नजर नहीं आते। राजस्थान ही नहीं देश के दूसरे हिस्सों में भी जातिगत पंचायतें ऐसे फैसले सुनाती रही हैं। खाप पंचायतें अपने परंपरावादी फैसलों के लिए मशहूर रही हैं। मुजफ्फरनगर के सोरम गांव में खाप महापंचायत ने साल 2014 में फरमान जारी कर लड़कियों के जींस पहनने, उनके फोन और इंटरनेट यूज करने पर बैन लगाया गया था। कुछ लड़कियों के घर से भागने के बाद समाधान के रूप में यह ऐलान किया गया था। ऐसा केवल यूपी में ही नहीं हरियाणा जैसे राज्यों में भी बैन लगाया गया था। साल 2015 में बागपत में एक खाप पंचायत ने दो बहनों के साथ रेप करने और उन्हें निर्वस्त्र करके गांव में घुमाने का आदेश जारी किया था। उन्हें उनके भाई के अपराध की सजा दी गई। उनका भाई एक ऊंची जाति की महिला के साथ भाग गया था।

जुलाई 2010 में हरियाणा की सर्व खाप जाट पंचायत ने फरमान जारी किया कि लड़कियों की शादी के लिए उनके बालिग होने का इंतजार नहीं करना है। उनकी शादी अब 15 साल में ही कर देनी है। रेप की घटनाओं में हो रही बढ़ोतरी पर अंकुश लगाने के लिए यह आदेश जारी किया गया था। ऑनर किलिंग, समगोत्रिय विवाह और प्रेम विवाह को लेकर खाप पंचायत बेतुका बयान जारी करते रही हैं। खाप पंचायत को सुप्रीम कोर्ट की फटकार का ख्याल है और ना ही आलोचनाओं का, तभी तो उसके बेतुके फैसले तालिबानी और तुगलकी फरमान की तरह लोगों के सिर पर पहाड़ बन कर टूटते हैं। झज्जर की खाप पंचायत का मानना था कि आर्य समाजी ढंग से होने वाली शादियों पर तत्काल से प्रतिबंध लगा देना चाहिए। खाप ने यह बेतुका फरमान लव मैरज को रोकने के लिए सुनाया था। खाप पंचायत प्रेम विवाह के खिलाफ है। खाप ने आर्य समाज में होने वाली शादियों को दुकानदारी करार दिया था।

खाप और जातिगत पंचायतों के इस तरह के बेबुनियाद तर्क बदस्तूर जारी हैं। एक खाप ने कहा था कि बलात्कार और यौन शोषण जैसी घटनाओं को रोकने के लिए लड़कियों का बाल विवाह कर देना चाहिए ताकि वो जवान होने से पहले ही किसी की पत्नी बन जाये और पुरूष उनकी और आकर्षित ना हो। महाराष्ट्र के बीड में एक महिला और उसके परिवार के सामाजिक बहिष्कार का आदेश देने पर जाति पंचायत के 9 सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। महिला का सामाजिक बहिष्कार इसलिए किया गया था क्योंकि उसके ससुर ने उस महिला से शादी की थी, जिससे वह प्यार करता था।

राजस्थान के चाकसू कस्बे में आपसी सहमति से 2022 में तलाक लेने की जानकारी समाज के अन्य लोगों को लगी तो उन्होंने जातीय पंचायत बैठाकर तलाक लेने के लिए प्रताड़ित किया और 1,51,000 रुपए आर्थिक दंड के रूप में देने का फैसला सुनाया। झारखंड ऐसी पंचायतों के फैसलों के लिए बदनाम रहा है। पलामू गढवा और लातेहार में 65 से अधिक पंचायतों पर एफआईआर दर्ज हुई। कई ऐसे भी मामले हैं जिन पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई, शिकायतकर्ता सामने नहीं आए हैं। झारखंड में पंचायत के फैसले के बाद 36 से अधिक लोगों की मौतें हुई। 40 से अधिक दुष्कर्म के मामले में पंचायत बैठी है, जिनमें आरोपियों को बचाया गया। सुप्रीम कोर्ट ने ऑनर किलिंग मामले की सुनवाई करते हुए खाप पंचायत पर बड़ा फैसला सुनाया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि खाप पंचायत का किसी भी शादी पर रोक लगाना अवैध है। अदालत ने कहा था कि अगर कोई भी संगठन शादी को रोकने की कोशिश करता है, तो वह पूरी तरह से गैर कानूनी होगा। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे मामलों की रोकथाम और सजा के लिए गाइडलाइन जारी की। इसके बावजूद देश के किसी न किसी कोने से पंचायतों के मनमाने निर्णय सामने आते रहते हैं। राजनीतिक दल जातिगत पंचायतों के ऐसे फैसले रोकने के बजाए इनमें वोट बैंक के हित ढूंढती नजर आती हैं। यह निश्चित है जब तक राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर कानून का शासन करने पर एकराय नहीं होंगे, तब तक ऐसे गैरकानूनी पंचायती फैसले आते रहेंगे।

इसरो की सौवीं उड़ान के साथ अब उम्मीदें आसमान पर

अभिषेक कुमार सिंह

भारत एक नई उड़ान पर है। उसकी यह नई उड़ान चंद्रमा और मंगल की राह पर है, कारोबार की दिशा में है और साथ में, देश की जनता के सतत विकास के लक्ष्य को साधने वाली है। इस उड़ान में उसके सपनों को साकार करने में अहम भूमिका भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी- इसरो के ताकतवर रॉकेटों की है जो सफलता के नए कीर्तिमान रचते हुए अपनी क्षमता और योग्यता साबित कर रहे हैं। इसमें सबसे ताजा किस्सा 29 जनवरी का है, जब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने श्रीहरिकोटा स्थित अंतरिक्ष केंद्र से जीएसएलवी रॉकेट के जरिये एक नेविगेशन उपग्रह एनवीएस-2 का सफल प्रक्षेपण किया। उपग्रह प्रक्षेपण के मामले में यह

इसरो का 100वां मिशन था। देश में विकसित नई पीढ़ी के रॉकेटों ने आश्वस्त किया है कि इसरो अब अंतरिक्ष और फिर चांद पर इंसान भेजने के अपने मिशन में ज्यादा देरी नहीं करेगा, अमेरिका और चीन की तरह भारत का भी अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा। साथ ही, इन सफलताओं ने यह भी साबित किया है कि भारी उपग्रहों को स्पेस में भेजने का काम अब तक रूस, अमेरिका जैसे देश करते रहे हैं। उसमें भारत की योग्यता अब बराबरी तक पहुंचने की है। ताजा प्रक्षेपण की सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि जो कामयाबी इसरो को हासिल करने में 46 साल का लंबा अरसा लग गया, उसे दोहराने में अब पांच-छह साल ही लगेंगे। इस अरसे में इसरो ने कुल 548 उपग्रहों को अंतरिक्ष की विभिन्न कक्षाओं में स्थापित किया है। इनमें से 433 उपग्रह विदेशी हैं। इनके प्रक्षेपण को कम लागत और सटीकता के साथ प्रक्षेपित करने के लिए विदेशी स्पेस एजेंसियों ने इसरो का सहयोग लेना बेहतर समझा। चूंकि इस संबंध में इसरो अपनी योग्यता प्रमाणित कर चुका है इसलिए बहुत संभव है कि सौ अन्य उपग्रहों का प्रक्षेपण इसरो अगले पांच वर्षों में ही कर डाले और इस तरह 200 उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने का करिश्माई आंकड़ा छू ले। चंद्रमा, मंगल और सूरज के अनुसंधान में लंबी दूरियां नापने वाली इसरो की ये सफलताएं यह भरोसा भी जगा रही हैं कि इनसे जहां देश की जनता के जीवन-स्तर में सुधार होगा, भारत उस वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में मजबूती से कदम जमा पाएगा, जिसमें अभी उसकी हिस्सेदारी बहुत सीमित है। रॉकेट साइंस के क्षेत्र में जीएसएलवी प्रक्षेपण वाहनों की कामयाबी का स्तर यदि हम नापना चाहें तो इसकी एक कसौटी अमेरिका के शुरुआती चंद्र मिशन होंगे। करीब 50 साल पहले अमेरिकी स्पेस एजेंसी-नासा ने अपने जिस यान अपोलो-11 से नील आर्मस्ट्रांग को चांद पर भेजा था, उसका वजह 4932 किलोग्राम था। यानी यदि किसी देश का रॉकेट 5 टन तक का वजन अंतरिक्ष में ले जाने की हैसियत रखता है, तभी उसे चंद्रमा पर इंसान भेजने के बारे में सोचना चाहिए। उल्लेखनीय है कि जीएसएलवी मार्क-3 से इसरो 3423 किलोग्राम वजन का संचार उपग्रह जीसैट-29 पहले ही अंतरिक्ष में भेज चुका है।

बहन जान्हवी से पूछे बिना कोई काम नहीं करती खुशी कपूर

खुशी कपूर और जुनैद खान की जोड़ी फिल्म लवयापा में नजर आने वाली है। इस फिल्म की रिलीज से पहले दोनों अभिनेता इसके प्रमोशन में बिजी हैं। फिल्म प्रमोशन के लिए जुनैद खान और खुशी कपूर भारती सिंह के पॉडकास्ट में भी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने फिल्म के साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी बहुत सी बातें की हैं। खुशी कपूर ने बताया कि वे अपनी बहन जान्हवी कपूर से पूछे बिना कुछ भी काम नहीं करती हैं, जब बहन का अप्रूवल मिल जाता है, तब ही वे काम शुरू करती हैं। यहां तक की खुशी कपूर की स्टाइलिंग भी उनकी बहन ही करती हैं। खुशी कपूर ने बताया वे केरल में अपनी किसी फिल्म की शूट में बिजी हैं, वे एक दिन के लिए मुंबई आएंगी और फिल्म देखकर वापस चली जाएंगी।

पिता ने कही ये बात

खुशी कपूर ने बताया कि उनके पिता ने भी इस फिल्म के लिए उन्हें बहुत सपोर्ट किया है। उनके पिता ने ही उन्हें ओरिजनल तमिल फिल्म देखने के लिए कहा है। खुशी ने कहा कि उनके पिता बोनी कपूर उन्हें हर काम में सपोर्ट करते हैं। खुशी ने पॉडकास्ट में बताया कि अब उन्हें इंतजार है कि कब सब लोग उन्हें फोन करके कहें कि वाह खुशी ने क्या काम किया है।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

फिल्म लवयापा अपनी रिलीज के लिए बिल्कुल तैयार है। इस फिल्म में जुनैद और खुशी के साथ राधिका सरथकुमार, सत्यराज, योगी बाबू, एजाज खान, रवीना रवि, अदनान सिद्दीकी और स्वाति वर्मा जैसे सितारे अहम भूमिका में हैं। फिल्म 7 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रकुल प्रीत संग काम को लेकर बोलीं भूमि

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने अपनी आगामी फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी में रकुल प्रीत संग काम करने को लेकर अपने विचार साझा किए हैं। उन्होंने कहा कि एक ही फिल्म में दो अभिनेत्रियां काम नहीं कर सकतीं ये बिल्कुल गलत नरेटिव है। बता दें इस फिल्म में भूमि पेडनेकर और रकुल प्रीत सिंह एक साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आने वाली हैं। फिल्म में अर्जुन कपूर भी मुख्य किरदार में हैं। भूमि ने बॉलीवुड फिल्मों में दो अभिनेत्रियों के एक साथ काम करने को लेकर अपनी टिप्पणी दी है।

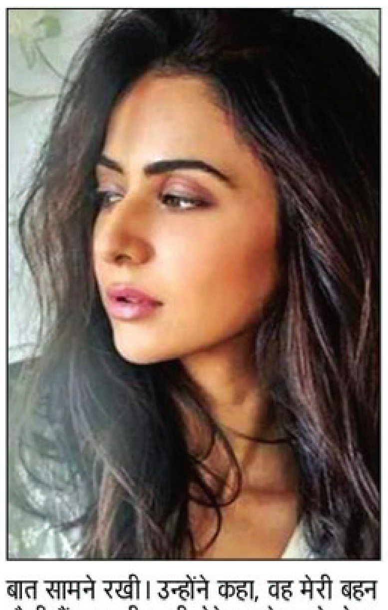

कॉमेडी फिल्म को लेकर कही ये बात

उन्होंने कहा, आमतौर पर महिला कलाकारों को कॉमेडी फिल्में करने का मौका नहीं मिलता। मुझे कॉमेडी फिल्में देखना बहुत पसंद है। इस फिल्म में दोनों महिला कलाकारों ने कॉमेडी को आगे बढ़ाया है, जैसा कि आप 90 के दशक में नंबर वन सीरीज की फिल्मों में देखते थे, जिसमें अभिनेत्रियां कॉमेडी करती थीं। इसलिए, हमने भी कुछ ऐसा ही किया है।

रकुल प्रीत सिंह के लिए बोलीं

भूमि ने रकुल प्रीत सिंह के साथ फिल्म करने को लेकर भी अपनी बात सामने रखी। उन्होंने कहा, वह मेरी बहन जैसी हैं। उसकी शादी मेरे सबसे अच्छे दोस्त जैकी भगनानी से हुई है और अब वह मेरी सबसे करीबी दोस्तों में से एक बन गई है। यह कहा जाता है कि दो अभिनेत्रियां एक साथ असुरक्षित हैं, हालांकि ये सच नहीं है और यह कुछ ऐसे पुरुषों द्वारा शुरू किया गया होगा जो खुद सुरक्षित नहीं हैं। हमारे बीच कुछ भी गलत नहीं है, बल्कि हमने फिल्म की शूटिंग में पूरी मस्ती की। फिल्म में अर्जुन कपूर पूर्व पत्नी भूमि को ठीक करने की कोशिश करते हैं और उन्हें सब सच बता देते हैं। भूमि भी अब अर्जुन को दोबारा पाना चाहती हैं, जिसके बाद रकुल के साथ उनकी जंग शुरू हो जाती है। अब पूरी कहानी तीनों के इर्द-गिर्द घूम रही है। अर्जुन, भूमि और रकुल की यह फिल्म 21 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इन अभिनेत्रियों संग शेयर की स्क्रीन

ऐसा पहली बार नहीं है कि भूमि किसी फिल्म में एक और बॉलीवुड अभिनेत्री के साथ दिखाई देने वाली हैं। भूमि इससे पहले पति, पत्नी और वो में अनन्या पांडे के साथ काम कर चुकी हैं। वे तापसी पन्नू के साथ भी सांड की आंख में स्क्रीन शेयर कर चुकी हैं।

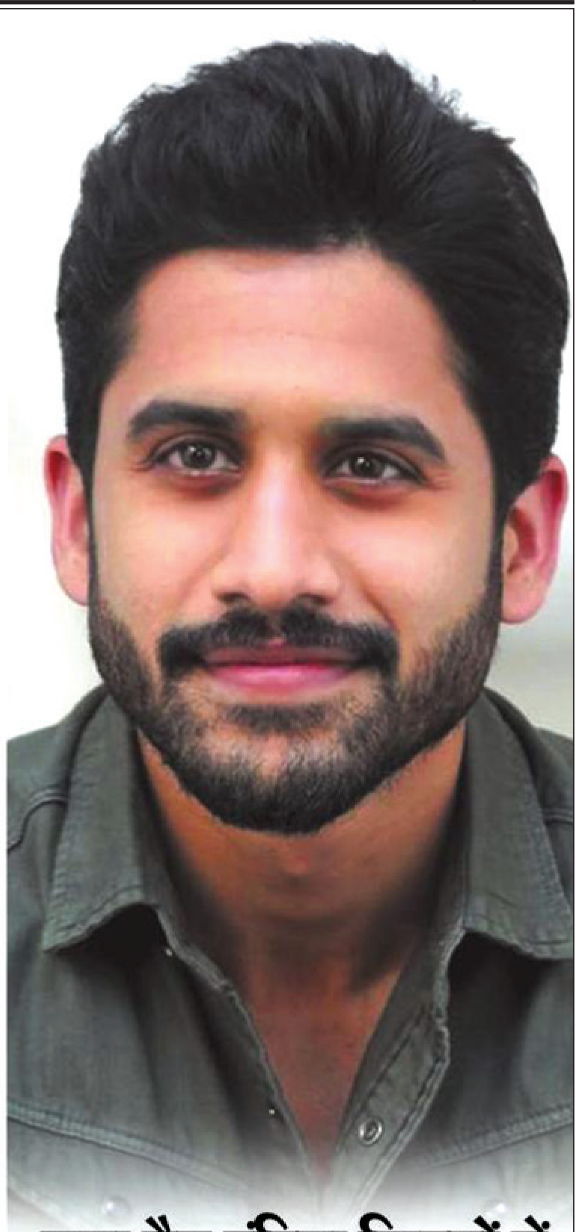

क्या पैन इंडिया फिल्मों में नहीं नागा की दिलचस्पी?

बोले- सच्ची कहानियों का हिस्सा बनना चाहूंगा

ऐसे वक्त में जब हर छोटा-बड़ा स्टार पैन इंडिया फिल्म में काम करने को उत्साहित है, वहीं नागा चैतन्य अलग विचार रखते हैं। नागा चैतन्य का कहना है कि वे पैन इंडिया फिल्मों की बजाय अपनी जड़ों से जुड़ी और सच्ची कहानियों को चुनना पसंद करेंगे।

तेलुगु सिनेमा के चर्चित एक्टर नागा चैतन्य का कहना है कि वे ऐसी सच्ची कहानियों का हिस्सा बनना चाहते हैं, जो धीरे-धीरे अलग-अलग जगहों तक पहुंचें। वे ऐसी फिल्म में काम करने को लेकर निश्चित नहीं हैं, जिन्हें पैन इंडिया प्रोजेक्ट के रूप में पेश किया गया हो।

सच्चाई होगी तो फिल्म खुद दर्शकों तक पहुंचेगी

माजिली, कस्टडी और लव स्टोरी जैसी तेलुगु ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेता नागा चैतन्य अपने आगामी फिल्म तंडेल को लेकर चर्चा में हैं, जो 07 फरवरी को रिलीज होगी। फिल्मों को लेकर नागा ने बातचीत में कहा, मैं ईमानदार कहानियों का हिस्सा बनना चाहता हूं। आप जो कर रहे हैं, अगर उसमें सच्चाई है, वह जड़ों से जुड़ी है तो खुद-ब-खुद जगह-जगह दर्शकों तक पहुंच जाएगी।

ऐसे तरीके मैं नहीं अपना पाऊंगा

नागा चैतन्य ने कहा, यह पैन इंडिया जैसी चीज, दर्शकों के एक खास वर्ग के लिए फिल्में बनाना, एक खास तरह के कलाकारों का चयन करना और उसे पैन इंडिया फिल्म के रूप में पेश करने के लिए अलग-अलग चीजें करना, मुझे नहीं लगता कि मैं यह तरीका अपनाऊंगा। मैं ऐसे इमोशंस, कहानियां, यात्राएं और किरदार चुनूंगा जो यूनिवर्सल हों, जमीनी और वास्तविक हों। ऐसी कहानियां अपने आप लोगों तक पहुंचेंगी।

क्या है फिल्म की कहानी?

फिल्म तंडेल एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जो असल जिंदगी की घटना पर आधारित है। नागा चैतन्य के साथ फिल्म में साई पल्लवी नजर आएंगी। फिल्म की कहानी एक मछुआरे के इर्द-गिर्द घूमती है, जो समुद्र में खो जाता है और अनजाने में पाकिस्तानी जलक्षेत्र में चला जाता है। वहां उसे पकड़ लिया जाता है और पाकिस्तानी जेल में डाल दिया जाता है। नागा चैतन्य का कहना है कि यह फिल्म लोगों से जुड़ेगी और उन्हें पसंद आएगी।

फिल्म 'इक्कीस' में नजर आएंगे सिकंदर खेर

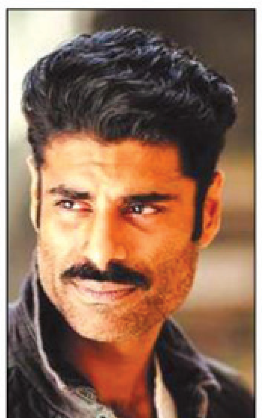

श्रीराम राघवन डायरेक्टेड फिल्म इक्कीस की काफी समय से चर्चा है। इस फिल्म में उम्दा एक्टर्स शामिल हैं। अब एक और एक्टर फिल्म का हिस्सा बना है। ये एक्टर भी फिल्म 'इक्कीस' का हिस्सा बनकर खुश है। श्रीराम राघवन की फिल्म इक्कीस में जो एक्टर आर्मी मैन का रोल निभाने वाला है, वह पहले भी कई फिल्मों में उम्दा किरदार निभा चुका है। इस एक्टर का नाम सिकंदर खेर है। वह फिल्म इक्कीस में आर्मी मैन का रोल निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इन दिनों वह अपने किरदार को निभाने के लिए जरूरी तैयारियां कर रहे हैं। फिल्म 'इक्कीस' के बारे में सिकंदर खेर कहते हैं, 'मैं हमेशा श्रीराम राघवन की फिल्म का इंतजार करता रहा हूं। वह बड़े ही अनूठे तरीके से कहानी को कहते हैं। मैं हमेशा से उनकी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहता था। फिल्म 'इक्कीस' में दर्शकों को अलग ही तरह की कहानी देखने को मिलेगी। मैं फिल्म में एक आर्मी ऑफिसर का रोल कर रहा हूं।

बेटे की डेब्यू सीरीज को लेकर एक्साइटेड हैं शाहरुख

काफी समय से चर्चा चल रही थी शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान एक्टिंग की बजाय डायरेक्शन से फिल्मी दुनिया में कदम रखेंगे। लेकिन हाल ही में आर्यन के डायरेक्शन में बनी ओटीटी सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' का लॉन्च इवेंट हुआ। इसमें आर्यन खान को लेकर शाहरुख खान ने कई बातें साझा की। ओटीटी सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से जुड़े इवेंट पर शाहरुख खान ने कहा कि जितना प्यार मुझे मिला है, उसका 50 प्रतिशत भी मेरे बच्चों को मिल जाए तो काफी है। साथ ही वह कहते हैं कि आर्यन ने इस सीरीज पर काफी मेहनत की है, यह हार्डवर्क तभी सफल माना जाएगा, जब दर्शक सीरीज को पसंद करेंगे।

सीरीज में शाहरुख खान का क्या रहा एफर्ट

शाहरुख खान आगे कहते हैं कि मैंने आर्यन की इस सीरीज का प्रोमो शूट करने के लिए रात भर मेहनत की। गौरी और आर्यन तो मुझे घर की मुर्गी दाल बराबर समझते हैं। आगे वह यह भी कहते हैं कि आर्यन और उनकी टीम ने भी बहुत एफर्ट इस सीरीज के लिए किए हैं।

क्या है आर्यन की सीरीज की कहानी

आर्यन खान के डायरेक्शन में बनी सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड में मुंबई आए लोगों के स्ट्रगल की कहानी को बताया जा रहा है। कैसे एक्टर बनने की शुरुआत ये लोग करते हैं, किस तरह के स्ट्रगल से गुजरते हैं। इसी सब्जेक्ट पर कहानी को बुना गया है।

बेटी के साथ किंग खान करेंगे एक्टिंग

एक तरफ शाहरुख खान अपने बेटे की सीरीज को लेकर एक्साइटेड हैं, वहीं वह बेटी सुहाना खान के साथ भी एक फिल्म कर रहे हैं। इस फिल्म का नाम 'किंग' बताया जा रहा है। फिल्म 'किंग' में दर्शकों को खूब एक्शन देखने को मिलेगा।

मैं स्टार नहीं स्टोरी के पीछे भागता हूं

मलयालम एक्टर पृथ्वीराज सुकुमारन ने साल 2019 में डायरेक्शन में डेब्यू किया था। उन्होंने अपनी पहली ही डायरेक्टोरियल फिल्म 'लूसिफर' से सफलता का स्वाद चखा। इस ट्रियोलॉजी की दूसरी फिल्म 'L2 एम्पुरन' पांच भाषाओं में रिलीज को तैयार है। बड़े प्रोडक्शन हाउस, बिग बजट और बड़े स्टार वाली ये फिल्म 27 मार्च को रिलीज होगी। हाल ही में कोच्चि में फिल्म का टीजर रिलीज किया गया।

'लूसिफर' के ब्लॉकबस्टर होने के बाद दर्शकों की उम्मीद काफी बढ़ गई है। 'L2 एम्पुरन' क्या उस उम्मीद पर खरी उतरेगी?

मैं जानता हूं कि लोगों को इस फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। लेकिन सच ये है कि इस फिल्म को बनाते समय मैंने इन बातों का उतना लोड नहीं लिया। 'L2' इसलिए नहीं बनी कि पार्ट-1 सफल रही। इस फ्रेंचाइजी के तीन पार्ट पहले से ही तय थे। लेकिन हम हमेशा से जानते थे कि अगर पार्ट-1 सफल नहीं हुआ तो पार्ट-2 कभी नहीं बनता। लेकिन शुक्र है कि 'लूसिफर' मलयालम इंडस्ट्री की आइकॉनिक फिल्म बनी। 'लूसिफर' की कहानी केरल की राजनीति पर आधारित थी लेकिन पार्ट-2 की कहानी नेशनल लेवल पर है। इस फिल्म की 33 फीसदी कहानी हिंदी में है। पार्ट-1 में भी मेरा किरदार सिर्फ हिंदी में बात करता था। मेरी कोशिश रही है कि फिल्म के हर वर्जन में हिंदी वाला पार्ट वैसा ही रहे। इस वजह से हम इसे उत्तर भारत में अच्छे से रिलीज करना चाहते हैं। हमें यकीन है कि अगर किसी ने पार्ट-1 नहीं भी देखी है तो उसे ये फिल्म समझ आ जाएगी। ये फिल्म अपनी कहानी खुद कहने वाली है।

'L2' के टीजर को तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़, हिंदी हर भाषाओं में दर्शकों का प्यार मिल रहा है। क्या ये सही मायनों में पैन इंडिया फिल्म है?

मैंने जब 2016-17 में ये आइडिया सुना था, मुझे उसी समय पता था कि इस पर बहुत बढ़िया मेनस्ट्रीम फिल्म बनेगी। ये वो फिल्म होगी, जिसके लिए ऑडियंस थिएटर पहुंचेगी। हॉल में लोग तालियां बजाएंगे और खूब एंजॉय करेंगे। मुझे इस तरह की फिल्में पसंद हैं। मैं मनमोहन देसाई सर का बहुत बड़ा फैन हूं। मुझे सलीम-जावेद की फिल्में पसंद हैं। मैं अभी भी अमिताभ बच्चन की क्लासिकल फिल्मों को दोबारा देखता हूं। मुझे त्रसत्र, बाहुबली, पुष्पा जैसी फिल्में पसंद हैं। मुझे उड़ान, कुम्बलंगी नाइट्स, मंजुमल बॉयज भी अच्छी लगती हैं। इस फिल्म को बड़ा बनाना और ग्लोबल लेवल पर ले जाना सब कुछ नेचुरल तरीके से ही हुआ। हमने ऐसा नहीं सोचा कि पार्ट-1 हिट हो गया तो चलो दूसरे पार्ट को वैसा प्लान करते हैं। इसमें खूब पैसे लगाते हैं।

मोहनलाल जैसे सुपरस्टार को डायरेक्ट करने का अनुभव कैसा रहा?

मैं बतौर डायरेक्टर अपनी फिल्म और विषय को लेकर काफी निष्पक्ष हूं। जब मैं डायरेक्ट करता हूं उस वक्त मेरे सामने एक्टर मोहनलाल होते हैं। मैं जानता हूं कि वो कितने बड़े सुपरस्टार हैं। मुझे उनका स्टारडम भी पता है। मैं भी स्टार मोहनलाल का फैन हूं। लेकिन मोहनलाल के साथ काम करना बहुत आसान है। एक्टर के तौर पर वो अद्भुत हैं। वो बहुत ज्यादा प्रोफेशनल भी हैं। शूट के पहले दिन उन्होंने सेट पर आते ही मुझसे पूछा कि तुम मुझसे क्या करवाना चाहते हो? वो चाहते थे कि डायरेक्टर उन्हें बताए। वो डायरेक्टर को सुनना चाहते थे।

फैंस को यह भी लगता है कि जब आप खुद इतने बड़े स्टार हैं फिर 'लूसिफर' का रोल आपने क्यों नहीं निभाया?

मैं जिस तरह से इस किरदार को देखता हूं, मेरी नजर में 'लूसिफर' सिर्फ मोहनलाल सर हो सकते हैं। शायद कोई और स्टार इस रोल को अलग तरीके से निभाता और वो भी इतना ही बढ़िया करता। लेकिन मेरे दिमाग में सिर्फ मोहनलाल सर थे।

लाइका प्रोडक्शन ने पैन इंडिया बड़ी और सुपरहिट फिल्में दी हैं। उनके साथ अपने मेगा बजट प्रोजेक्ट के बारे में बताइए।

लाइका प्रोडक्शन ने मुझसे पहली बार एक फिल्म डायरेक्ट करने के लिए संपर्क किया था, जिसमें रजनीकांत सर लीड होते। मेरे जैसे नए फिल्ममेकर के लिए ये बहुत बड़ा मौका था। मैं उस ऑफर के लिए एक्साइटेड भी था। लेकिन अफसोस की मेरे पास रजनी सर के लिए कोई बढ़िया सब्जेक्ट नहीं था। ऐसे में मैं रजनी सर को पिच नहीं कर सकता था। हालांकि, मेरे पास एक आइडिया था, जो मैंने सुबास्करण सर (लाइका प्रोडक्शन फाउंडर) के साथ शेयर किया। उन्हें वो पसंद भी आया। लेकिन उस वक्त मैं फिल्म गोट लाइफ की शूटिंग में बिजी था इसलिए आइडिया पर काम नहीं कर सका। शायद कभी मौका मिलेगा तो मैं रजनी सर को आइडिया पिच करूंगा। एक और प्रोजेक्ट है, जिसमें मैं बतौर एक्टर लाइका के लिए काम कर रहा हूं। इस पर बहुत लंबे समय से काम चल रहा है। जब वो चाहेंगे मैं इसका अनाउसमेंट करूंगा।

आने वाले समय में हिंदी पट्टी के फैंस आपको किस तरह के प्रोजेक्ट में देखेंगे।

मैंने दो हिंदी फिल्मों को हां कहा है। जब मेकर्स इनकी घोषणा करेंगे तब आपको पता चलेगा। मैंने अभी एक हिंदी फिल्म की शूटिंग खत्म की है। वो प्रोजेक्ट पोस्ट प्रोडक्शन में है और जल्द ही रिलीज होगी। इसकी घोषणा भी सही समय आने पर मेकर्स और स्टूडियो की तरफ से होगी।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

हार के लिए केजरीवाल पूरी तरह जिम्मेदार : अन्ना हजारे

मुंबई। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) के कमजोर प्रदर्शन के लिए पार्टी के नेतृत्व और भ्रष्टाचार से जुड़े विवादों को जिम्मेदार ठहराया। हजारे ने कहा, मैं लंबे समय से कह रहा हूं कि चुनावी उम्मीदवारों का चरित्र मजबूत, विचार अच्छे और छवि साफ-सुथरी होनी चाहिए। लेकिन आम आदमी पार्टी में ये सब नहीं था। वे शराब और पैसों के घोटालों में फंस गए, जिससे अरविंद केजरीवाल की छवि धूमिल हुई। यही कारण है कि उन्हें इस चुनाव में कम वोट मिल रहे हैं। हजारे ने केजरीवाल के गिरते हुए कद पर टिप्पणी करते हुए कहा, लोगों ने देखा कि उन्होंने (केजरीवाल) चरित्र की बात की, लेकिन खुद ही शराब घोटाले में फंस गए। राजनीति में आरोप लगना आम बात है, लेकिन किसी को अपनी बेगुनाही साबित करनी होती है। सच हमेशा सच रहेगा। हजारे ने कहा, जब एक बैठक हुई थी, तब मैंने पार्टी का हिस्सा न बनने का फैसला किया और तब से ही मैं इससे दूर हूं।

केजरीवाल के हारते ही कुमार विश्वास का तगड़ा रिएक्शन

नईदिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए वोटों की गिनती जारी है और नवीनतम रुझानों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय राजधानी में परचम लहराने की ओर अग्रसर है। कवि और सामाजिक कार्यकर्ता कुमार विश्वास ने अरविंद केजरीवाल पर तंज कसते हुए कहा कि न्याय मिल गया है। उन्होंने कहा कि मैं भाजपा को जीत के लिए बधाई देता हूं और मुझे उम्मीद है कि वे दिल्ली के लोगों के लिए काम करेंगे। केजरीवाल पर बिना नाम लिए निशाना साधते हुए कुमार विश्वास ने कहा कि मुझे उस आदमी से कोई सहानुभूति नहीं है जिसने आप पार्टी के कार्यकर्ताओं के सपनों को कुचल दिया। दिल्ली अब उससे आज़ाद है। उसने उन सपनों का इस्तेमाल अपनी निजी महत्वाकांक्षाओं के लिए किया। आज न्याय मिल गया। वहीं, उन्होंने कहा कि जब हमें मनीष सिसोदिया के जंगपुरा से हारने की खबर मिली तो मेरी गैरराजनीतिक पत्नी रो पड़ीं।

दिल्ली में जीत पीएम मोदी के गारंटियों का जादू : एकनाथ

मुंबई। दिल्ली की राजनीति में कई महीनों से चल रहे गर्माहट के बाद अब दिल्ली में भाजपा की सरकार बनना लगभग तय माना जा रहा है। इसी बीच दिल्ली में भाजपा के अच्छे प्रदर्शन को लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री सीएम एकनाथ शिंदे ने बयान दिया है। शिंदे भाजपा के अच्छे प्रदर्शन का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया है। शिंदे ने शनिवार को विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटियों को दिया। साथ ही उन्होंने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली में झूठ की हार हुई है। एकनाथ शिंदे ने दिल्ली में पार्टी के इस प्रदर्शन को लेकर कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी की गारंटियों का जादू है। उन्होंने कहा झूठ की हार हुई है और मतदाता सत्य के साथ खड़े हैं। साथ ही शिंदे ने कहा कि मतदाताओं ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पिछले सप्ताह पेश किए गए केंद्रीय बजट पर भी अपना फैसला सुनाया है।

कांग्रेस साथ देती तो नहीं हारती आप : संजय राउत

मुंबई। दिल्ली चुनाव के रुझानों पर शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने कहा कि शुरुआती रुझानों में कड़ा मुकाबला दिखा। अगर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने मिलकर चुनाव लड़ा होता तो नतीजें अलग हो सकते थे? कांग्रेस और आप की विरोधी पार्टी भाजपा है। दोनों ने भाजपा को सत्ता से दूर रखने के लिए लड़ाई लड़ी, लेकिन ये लड़ाई अलग-अलग लड़ी, अगर वे साथ होते तो भाजपा की हार तय थी। महाराष्ट्र में मतदाता सूची में अनियमितताओं के आरोपों को दोहराते हुए राउत ने भाजपा पर आरोप लगाया कि दिल्ली चुनावों में महाराष्ट्र पैटर्न लागू किया गया था। चुनाव आयोग ने अपनी आंखें बंद कर ली हैं। राउत ने आगे दावा किया कि आम आदमी पार्टी को दिल्ली में काम करने की अनुमति नहीं दी गई। यहां एलजी (लेफ्टिनेंट जनरल) के पास पूरी शक्ति थी। सभी बड़े और महत्वपूर्ण नेताओं को जेल में डाल दिया गया। यह भी (आप की) हार का एक कारण है।

दिल्ली चुनाव रुझानों के बाद उमर का इंडिया ब्लॉक पर तंज

श्रीनगर। दिल्ली की विधानसभा सीटों के लिए शुरुआती रुझानों में आम आदमी पार्टी के पिछड़ने के बाद, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक मजेदार मीम पोस्ट किया, जिसमें लिखा था, और लड़ो आपस में। जहां भाजपा ने अपने एनडीए सहयोगियों की मदद से दिल्ली के मतदाताओं को लुभाने के लिए हरसंभव प्रयास किया, वहीं इस लड़ाई में इंडिया गुट बंटा हुआ था और सहयोगी आप और कांग्रेस इस उच्च-दांव वाली लड़ाई में कट्टर प्रतिद्वंद्वी बन गए। अभियान में कांग्रेस और आप ने एक-दूसरे पर जमकर निशाना साधा। अरविंद केजरीवाल ने लगातार आरोप लगाया कि कांग्रेस भाजपा की मदद करने के लिए ये चुनाव लड़ रही है, जबकि सबसे पुरानी पार्टी ने राष्ट्रीय राजधानी में आप के एक दशक लंबे शासन पर सवाल उठाया। 2025 के अभियान के दौरान, राहुल गांधी ने दलितों, पिछड़े समुदायों और आदिवासियों के अधिक प्रतिनिधित्व के लिए एक मजबूत वकालत की।

दिल्ली चुनाव में भाजपा की आंधी में उड़े, केजरीवाल और सिसोदिया

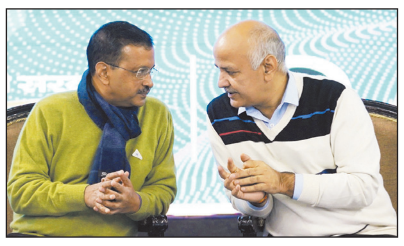

नईदिल्ली। दिल्ली चुनाव के नतीजों ने पूरे देश को हैरान कर दिया है। 27 साल बाद दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी सरकार बना रही है। आम आदमी पार्टी के बड़े-बड़े नेता चुनाव हार गए। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सोमनाथ भारती, अवध ओझा सब चुनाव हार गए हैं। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की ऐसी हालत होगी ये किसी ने सोचा तक नहीं था।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवेश वर्मा ने नई दिल्ली सीट से आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को 4,000 से अधिक वोटों के अंतर से हरा दिया है। आप नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया जंगपुरा सीट पर भाजपा उम्मीदवार तरविंदर सिंह मारवाह से 675 वोटों के अंतर से हार गए हैं। दिल्ली चुनाव 2025 के नतीजों पर आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम बड़ी विनम्रता के साथ लोगों के जनादेश को स्वीकार करते हैं। मैं इस जीत के लिए भाजपा को बधाई देता हूं और मुझे उम्मीद है कि वे उन सभी वादों को पूरा करेंगे जिनके लिए लोगों ने उन्हें वोट दिया है। हमने पिछले 10 वर्षों में स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में बहुत काम किया है। हम न केवल रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएंगे बल्कि लोगों के बीच रहेंगे और उनकी सेवा करते रहेंगे। आम आदमी पार्टी (आप) की शीर्ष नेता और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कई राउंड की गिनती के बाद कालकाजी सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के रमेश बिधूड़ी के खिलाफ जीत हासिल की।

चुनावी नतीजों के बीच एलजी के आदेश पर दिल्ली सचिवालय सील

दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने शनिवार को सुरक्षा चिंताओं के बीच दिल्ली सचिवालय से बिना अनुमति के फाइलें और कंप्यूटर हार्डवेयर ले जाने पर रोक लगाने संबंधी नोटिस जारी किया। सचिवालय को सील करने का कदम सुरक्षा सुनिश्चित करने और रिकॉर्ड की सुरक्षा के लिए उठाया गया है।

नोटिस में कहा गया है, सुरक्षा चिंताओं और रिकॉर्ड की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, यह अनुरोध किया जाता है कि जीएडी की अनुमति के बिना कोई भी फाइल/दस्तावेज, कंप्यूटर हार्डवेयर आदि दिल्ली सचिवालय परिसर से बाहर न ले जाया जाए। सुरक्षा स्थिति और अभिलेखों की सुरक्षा को लेकर चिंताओं के बीच, दिल्ली सचिवालय को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। यह ऐसे समय में हुआ है, जब 70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए मतगणना की प्रक्रिया चल रही थी। भारत के चुनाव आयोग के नवीनतम रुझानों में भाजपा की जीत का संकेत मिलता है, जिसमें पार्टी 48 सीटों पर आगे चल रही है। परिणाम 27 वर्षों के बाद राष्ट्रीय राजधानी में भगवा पार्टी की वापसी का संकेत देते हैं। 8 फरवरी के जीएडी नोटिस में कहा गया है, इसलिए यह निर्देश दिया जाता है कि दिल्ली सचिवालय में स्थित विभागों/कार्यालयों के अंतर्गत संबंधित शाखा प्रभारियों को उनके अनुभाग/शाखाओं के अंतर्गत रिकॉर्ड, फाइलों, दस्तावेजों, इलेक्ट्रॉनिक फाइलों आदि की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं।

सामान्य प्रशासन विभाग के संयुक्त सचिव प्रदीप तायल द्वारा जारी आदेश के अनुसार, इन विनियमों का अनुपालन सचिवालय कार्यालयों और मंत्रिपरिषद के शिविर कार्यालयों तथा दोनों कार्यालयों के प्रभारियों के लिए अनिवार्य है।

जनता ने झूठ, धोखे और भ्रष्टाचार के शीशमहल को नेस्तनाबूत किया : शाह

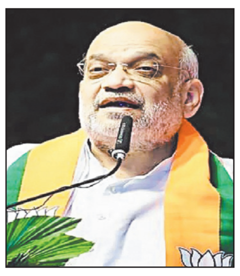

भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में विधानसभा चुनाव में एकतरफा जीत हासिल करती हुई दिखाई दे रही है। भाजपा में इसको लेकर जमकर उत्साह है। इस बीत गृह मंत्री अमित शाह का ट्वीट सामने आया है। शाह ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली के दिल में मोदीज। दिल्ली की जनता ने झूठ, धोखे और भ्रष्टाचार के 'शीशमहल' को नेस्तनाबूत कर दिल्ली को आप-दा मुक्त करने का काम किया है। दिल्ली ने वादाखिलाफी करने वालों को ऐसा सबक सिखाया है, जो देशभर में जनता के साथ झूठे वादे करने वालों के लिए मिसाल बनेगा। यह दिल्ली में विकास और विश्वास के एक नए युग का आरंभ है।

अमित शाह ने कहा कि दिल्ली में झूठ के शासन का अंत हुआ है... यह अहंकार और अराजकता की हार है। यह 'मोदी की गारंटी' और मोदी जी के विकास के विजन पर दिल्लीवासियों के विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि इस प्रचंड जनादेश के लिए दिल्ली की जनता का दिल से आभार। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा अपने सभी वादे पूरे कर दिल्ली को विश्व की नंबर 1 राजधानी बनाने के लिए संकल्पित है। दिल्लीवासियों ने बता दिया कि जनता को बार-बार झूठे वादों से गुमराह नहीं किया जा सकता।

भाजपा नेता ने कहा कि जनता ने अपने वोट से गंदी यमुना, पीने का गंदा पानी, टूटी सड़कें, ओवरफ्लो होते सीवरों और हर गली में खुले शराब के ठेकों का जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में मिली इस भव्य जीत के लिए अपना दिन-रात एक करने वाले दिल्ली भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष विरेंद्र सचदेवा जी को हार्दिक बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि चाहे महिलाओं का सम्मान हो, अनधिकृत कॉलोनीवासियों का स्वाभिमान हो या स्वरोजगार की अपार संभावनाएँ, मोदी जी के नेतृत्व में दिल्ली अब एक आदर्श राजधानी बनेगी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लिखा कि आप-दा मुक्त दिल्ली ! आज दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणाम में भारतीय जनता पार्टी की प्रचण्ड विजय आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण, अंत्योदय व विकासपरक नीतियों पर जनता - जनार्दन के अटूट समर्थन की जीत है। प्रत्येक बूथ पर अथक परिश्रम करने वाले भाजपा के हमारे कार्यकर्ताओं और प्रदेश नेतृत्व को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ।

उन्होंने कहा कि आप-दा सरकार ने दिल्ली में भ्रष्टाचार, कुशासन, और तुष्टिकरण की सारी सीमाएं लांघ दी थी। आज दिल्ली उनके झूठ, छल और प्रपंच से मुक्त होकर प्रगति और प्रतिष्ठा के नए युग में अपनी यात्रा आरंभ कर रही है। यह जनादेश %विकसित दिल्ली-विकसित भारत% के हमारे संकल्प को साकार स्वरूप प्रदान करेगा। इस प्रचण्ड विजय के लिए मैं प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार प्रकट करता हूँ और समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं और दिल्लीवासियों का अभिनंदन करता हूँ। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा कि दिल्ली के विधानसभा चुनावों में भाजपा की जबरदस्त विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा की नीतियों के प्रति विश्वास की जीत है। इस देश की जनता का भरोसा मोदीजी की विश्वसनीयता और भाजपा की सुशासन और विकास की राजनीति में है। इस शानदार जीत के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा एवं सभी पार्टी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूँ।

उन्होंने कहा कि लगभग 27 साल बाद दिल्ली की जनता ने भाजपा को अपना विश्वास और आशीर्वाद दिया है। इसके लिए दिल्ली की जनता के प्रति मैं अपना आभार व्यक्त करता हूँ। विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए विकसित दिल्ली अति आवश्यक है। इस जीत के बाद डबल इंजन की सरकार दिल्ली के विकास को नई गति को बुलंदी प्रदान करेगी।

भाजपा की जीत पर पीएम मोदी ने दिल्लीवासियों को दी बधाई

दिल्ली में भाजपा के जबरदस्त जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहली प्रतिक्रिया आई है। प्रधानमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि यह जीत विकास की है, सुशासन की है। उन्होंने इसको लेकर एक्स पोस्ट किया है। आपने एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा कि जनशक्ति सर्वोपरि! विकास जीता, सुशासन जीता। उन्होंने लिखा कि दिल्ली के अपने सभी भाई-बहनों को भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलाने के लिए मेरा वंदन और अभिनंदन! आपने जो भरपूर आशीर्वाद और स्नेह दिया है, उसके लिए आप सभी का हृदय से बहुत-बहुत आभार।

मोदी ने कहा कि दिल्ली के चौतरफा विकास और यहां के लोगों का जीवन उत्तम बनाने के लिए हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे, यह हमारी गारंटी है। इसके साथ ही हम यह भी सुनिश्चित करेंगे कि विकसित भारत के निर्माण में दिल्ली की अहम भूमिका हो। उन्होंने कहा कि मुझे भाजपा के अपने सभी कार्यकर्ताओं पर बहुत गर्व है, जिन्होंने इस प्रचंड जनादेश के लिए दिन-रात एक कर दिया। अब हम और भी अधिक मजबूती से अपने दिल्लीवासियों की सेवा में समर्पित रहेंगे।

दिल्ली चुनाव नतीजों पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि दिल्ली की जनता का बीजेपी पर विश्वास बहुत जरूरी है। हम दिल्ली को प्रदूषण से मुक्त करेंगे और हम इसे दुनिया का सबसे खूबसूरत शहर बनाना चाहते हैं। दिल्ली की सूरत बदल जाएगी। मैं लोगों को धन्यवाद देता हूं। हमारी जीत उम्मीद से कहीं ज्यादा बड़ी है। गृह मंत्री अमित शाह का ट्वीट सामने आया है। शाह ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली के दिल में मोदीज। दिल्ली की जनता ने झूठ, धोखे और भ्रष्टाचार के 'शीशमहल' को नेस्तनाबूत कर दिल्ली को आप-दा मुक्त करने का काम किया है। दिल्ली ने वादाखिलाफी करने वालों को ऐसा सबक सिखाया है, जो देशभर में जनता के साथ झूठे वादे करने वालों के लिए मिसाल बनेगा। यह दिल्ली में विकास और विश्वास के एक नए युग का आरंभ है।

खेल
प्रमुख समाचार

भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा वनडे मैच आज

भुवनेश्वर। भारत बनाम इंग्लैंड के बीच वनडे सीरीज की शुरुआत काफी रोमांचक रही है। तीन मैचों के इस टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला रविवार, 9 फरवरी को कटक के बाराबती स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमें रोमांचक एक्शन के लिए तैयार हैं। पहले वनडे में चार विकेट से हार के बाद जोस बटलर की टीम वापसी के लिए हर संभव कोशिश करती नजर आएगी।

इंग्लैंड के सामने सीरीज को बरकरार रखने की चुनौती है। इस मैच में भारत की जीत से उन्हें अजेय बढ़त मिल जाएगी। हालांकि, इंग्लैंड के लिए यह काम आसान नहीं होगा, क्योंकि कई भारतीय खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं और वे बड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं।

भारत के उपकप्तान शुभमन गिल पर फिर से कड़ी नजर रहेगी। पहले वनडे में उन्होंने मुश्किल समय में भारत के लिए अहम भूमिका निभाई थी और 96 गेंदों पर 14 चौकों की मदद से 87 रन बनाए थे। गिल एक बार फिर इंग्लैंड के गेंदबाजों को परेशान कर सकते हैं। अक्षर पटेल ने नागपुर में अपने हरफनमौला कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से कमाल दिखाया। पहले वनडे में उन्होंने इंग्लैंड की पारी के दौरान तीन विकेट लिए और बाद में 47 गेंदों पर 52 रन बनाए। अक्षर का प्रदर्शन उन्हें इंग्लिश टीम के लिए संभावित खतरा बनाता है। नागपुर में श्रेयस अय्यर ने इंग्लैंड के गेंदबाजों के खिलाफ शानदार पारी खेली। उन्होंने 36 गेंदों पर 59 रन बनाकर आउट होने से पहले 30 गेंदों पर 50 रन बनाकर तेज अर्धशतक बनाया। उनका निडर रवैया उन्हें कटक में इंग्लैंड के लिए एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी बना सकता है। आगामी मैच में दोनों टीमें मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं। जहां भारत एक और जीत के साथ सीरीज को सुरक्षित करने का लक्ष्य रखता है, वहीं इंग्लैंड वापसी करके स्कोर बराबर करने का प्रयास करेगा।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

किफायती और मिड-हाउसिंग में तेजी की आस

नईदिल्ली। रियल एस्टेट उद्योग को उम्मीद है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रीपो दर 25 आधार अंक घटाकर 6.25 प्रतिशत करने से आवासीय मांग मजबूत होगी। इसका असर खासतौर पर मिड-हाउसिंग सेगमेंट यानी मध्यम-आवासीय खंड में होगा। रियल एस्टेट कंपनियां केंद्रीय बजट में संशोधित आयकर स्लैब और 15,000 करोड़ रुपये के 'स्वामी 2' फंड की घोषणा के साथ-साथ ब्याज दरों में कटौती से भी उम्मीद लगाए हुए हैं। उद्योग के दिग्गजों का मानना है कि दर कटौती से खरीदारों के लिए उधारी लागत घटेगी। बढ़ती मांग के साथ डेवलपरों के लिए वित्त की लागत में कमी से नई परियोजनाओं के निर्माण में तेजी आएगी जिससे सभी हितधारकों को फायदा होगा। वेंकटेश गोपालकृष्णन ने कहा, 'रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए यह घटनाक्रम बेहद अच्छा है, खासकर किफायती और मिड-सेगमेंट हाउसिंग के लिए, जिसमें मांग तेजी से बढ़ रही है।

बैंकों व गैर-बैंक इकाइयों के लिए विशेष इंटरनेट डोमेन

नईदिल्ली। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) बैंकिंग और गैर-बैंकिंग संस्थाओं समेत वित्तीय क्षेत्र के प्रतिभागियों के लिए विशेष इंटरनेट डोमेन पेश कर रहा है। भारतीय बैंकों के पास 'बैंक डॉट इन' डोमेन होगा, जबकि गैर-बैंक संस्थाओं के पास 'फिन डॉट इन' डोमेन होगा। इसके लिए पंजीकरण इस साल अप्रैल से शुरू होंगे। विशेष बैंकिंग डोमेन पेश करने का आरबीआई का कदम फिशिंग हमलों जैसे साइबर सुरक्षा खतरों को रोकने की जरूरत के कारण उठाया जा रहा है। आरबीआई ने एक बयान में कहा, इस पहल का मकसद साइबर सुरक्षा के खतरों और फिशिंग जैसी दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों को कम करना है। साथ ही सुरक्षित वित्तीय सेवाओं को सुव्यवस्थित करना भी मकसद है ताकि डिजिटल बैंकिंग और भुगतान सेवाओं में विश्वास बढ़े।

छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दर घटा सकती है सरकार

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय अप्रैल से शुरू होने अगले वित्त वर्ष 2025-26 में छोटी बचत योजनाओं पर मिलने वाले ब्याज दरों को घटा सकता है। छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में पिछले एक साल से कोई बदलाव नहीं हुआ है। सार्वजनिक भविष्य निधि, सुकन्या समृद्धि योजना, मासिक आय खाता योजना, पब्लिक प्रोविडेंट फंड, किसान विकास पत्र, राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र, डाकघर बचत योजना, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना आदि छोटी बचत योजनाओं में शामिल हैं। सूत्रों का कहना है कि छोटी बचत योजनाओं की ब्याज दरों की समीक्षा अगले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में होने की संभावना है। 31 दिसंबर, 2024 को घोषित पिछली समीक्षा में वित्त मंत्रालय ने जनवरी-मार्च, 2025 तिमाही के लिए इन योजनाओं पर मिलने वाले ब्याज में कोई बदलाव नहीं किया था। वर्तमान में पब्लिक प्रोविडेंट फंड में निवेश पर 8.1 फीसदी की दर से ब्याज मिलता है।

रेपो दर में कटौती से विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ेगी मांग

नई दिल्ली। रेपो दर में पांच साल बाद पहली कटौती अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में मांग बढ़ाने के लिए उत्प्रेरक का काम करेगी। उद्योग संगठन एसोचैम के चेयरमैन संजय नायर ने कहा, आरबीआई के इस फैसले से आवास, वाहन और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में मांग बढ़ाने में मदद मिलेगी। नायर ने कहा, अगर महंगाई दर में गिरावट का रुख बरकरार रहता है, तो अगली कुछ तिमाहियों में दरों में और कटौती की उम्मीद कर सकते हैं। रियल एस्टेट संगठन क्रेडाई ने कहा, 0.25 फीसदी की कटौती का सीमित असर दिखेगा। इसने आवास मांग में मजबूत प्रोत्साहन के लिए और कटौती का मामला बनाया है। रेपो दर को कम करने का आरबीआई का निर्णय बजट में हाल की घोषणाओं का पूरक है, जिसका उद्देश्य खर्च और और आर्थिक विकास को गति देना है।

आम बजट 2025 : बदलाव का असर दिखने में वक्त लगेगा

नारायण कृष्णमूर्ति

बजट और शेयर बाजार सूचकांकों के बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति ही है, जो इन दिनों ज्यादातर लोगों को काफी आकर्षित करती है। आपकी आय, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और बदलती नीतिगत दरों के प्रभाव के बीच के संबंध को देखते हुए आपके लिए यह जानना जरूरी हो जाता है कि ये सभी बदलाव आपकी जिंदगी पर क्या असर डालते हैं।

आरबीआई के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में मौद्रिक नीति समिति की पहली बैठक में नीतिगत दर में 25 आधार अंकों की कटौती की उम्मीद की जा रही थी और यही हुआ भी। बीते पांच वर्षों से नीतिगत दर में कटौती की जो उम्मीदें लगाई जा रही थीं, उनमें से यह पहली है, जो पूरी हुई है। यह शीर्ष बैंक की पिछली टीम के नक्शेकदम पर है, जिसने मुद्रास्फीति को सफलतापूर्वक चार फीसदी के वांछित लक्ष्य के करीब लाया था, कल की बैठक महंगाई को नियंत्रण में लाने की दिशा में एक और कदम है।

केंद्रीय बैंक के इस कदम से काफी उम्मीदें हैं, खासकर यह देखते हुए कि अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए उपभोग के जरिये खर्च को बढ़ावा देने के लिए सरकार पूरी कोशिश कर रही है। नीतिगत दर में जब भी कटौती की जाती है, तो उधार लेने की लागत कम होने की उम्मीद होती है, जिसका अर्थ है कि कर्ज की दरें अब कम होनी शुरू होंगी। हालांकि, नीतिगत दरों में बदलाव के बावजूद एमपीसी ने अपने तटस्थ रुख में कोई बदलाव नहीं किया है। इससे आगे चलकर दर में कटौती की सीमा के प्रति अधिक सतर्क दृष्टिकोण रखने का संकेत मिलता है। इस रुख से यह भी पता चलता है

कि केंद्रीय बैंक द्वारा व्यवस्था को पर्याप्त क्षणिक व टिकाऊ तरलता तो दी जाएगी, लेकिन इस मामले में कोई बोनस मिलने वाला नहीं है।

दर में कटौती का अन्य आर्थिक कारकों, विशेषकर जीडीपी पर वांछित परिणाम दिखाने में एक या दो तिमाही का समय लगेगा। इसके अलावा, आयकर दरों में कटौती के जरिये भी घरेलू स्तर पर पैसा बढ़ेगा, जिससे आमजन की खर्च क्षमता बढ़ने और जिससे अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने की भी उम्मीद है। जीडीपी एक निर्दिष्ट अवधि में देश की सीमाओं के भीतर उत्पादित सभी तैयार वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को मापती है और इसे समग्र आर्थिक स्वास्थ्य का संकेतक माना जाता है। भारत की जीडीपी वर्तमान में उचित गति से बढ़ रही है, जो इन सभी प्रयासों से और बढ़ सकती है। कृषि और विनिर्माण में सकारात्मक गति देखने को मिल रही है, जबकि शहरी मांग कमजोर बनी हुई है, जिसके लिए और प्रोत्साहन की आवश्यकता है। इससे उम्मीद लगाई जा सकती है कि आरबीआई इस वर्ष आगे भी दरों में कटौती करेगा, जिससे आर्थिक विकास का माहौल बनेगा और खपत को बढ़ावा मिलने के भी पूरे आसार हैं। ये सभी ऐसे कदम हैं, जिनका रोजगार की स्थिति में सुधार के अलावा व्यक्तिगत आय और खर्च करने की क्षमता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। याद रहे कि जब जीडीपी बढ़ती है, तो व्यवसाय अधिक वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करते हैं, जिससे रोजगार और मजदूरी बढ़ती है और घरेलू आमदनी में भी वृद्धि होती है। नीतिगत दरों का उपयोग केंद्रीय बैंक द्वारा धन आपूर्ति, महंगाई और आर्थिक गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिए किया जाता है। इन सभी कारकों के बीच एक चक्रीय संबंध है, जो लोगों, उनकी आय और आर्थिक गतिविधियों में उनके योगदान को सशक्त ढंग से प्रभावित करता है। चूंकि, प्रत्येक व्यक्ति की स्थिति अलग-अलग होती है, पिछले सप्ताह में करदाताओं के हाथों में अधिक पैसा प्रदान करने का निर्णय और अब रेपो दर में की गई कटौती, ये सभी इस बात के संकेत हैं कि सरकार लोगों की क्रय क्षमता बढ़ाने का लक्ष्य बना रही है। हालांकि, इन नीतिगत बदलावों से रातों-रात किसी जादू की उम्मीद नहीं लगाई जानी चाहिए, क्योंकि ऐसे बदलावों का असर देखने के लिए एक या दो तिमाही का वक्त लगता है।

दिल्ली में बीजेपी को बंपर जीत पर डॉ. रमन ने दी बधाई

कहा- जनता ने मोदी की गारंटी पर जताया विश्वास

रायपुर. दिल्ली विधानसभा चुनाव में 27 साल बाद भारतीय जनता पार्टी का सूखा खत्म हो गया. 48 सीटों पर भाजपा ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया. पूर्व मुख्यमंत्री और छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने भाजपा की जीत पर खुशी जाहिर की और कार्यकर्ताओं को बधाई दी. छत्तीसगढ़ विस अध्यक्ष रमन सिंह ने कहा कि जनता ने मोदी की गारंटी पर विश्वास जताते हुए 48 सीटों पर भाजपा को स्पष्ट जनादेश दिया है. केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में और मोदी की गारंटी के बाद दिल्ली की जनता ने भाजपा पर पूर्ण विश्वास प्रकट किया है. केजरीवाल ने लगातार झूठ और भ्रष्टाचार की राजनीति की, गंगा को प्रदूषित करने के बाद बेशर्मी से उसे स्वीकार नहीं करने का जवाब जनता ने चुनाव में दिया है. ये जीत भाजपा के हजारों कार्यकर्ताओं की मेहनत और पीएम मोदी का आशीर्वाद से हासिल हुई है. इस ऐतिहासिक जीत के लिए सभी कार्यकर्ताओं को बधाई. दिल्ली में भाजपा 27 साल तक विपक्ष की भूमिका में रही. केजरीवाल के झूठे वादों से जनता ऊब चुकी थी. उनकी सारी योजनाएं धरातल पर फेल हो गई. पूरे देश की जनता के बीच केजरीवाल सरकार के सरकार शराब घोटाले की चर्चा हुई. और केजरीवाल को जेल इसलिए हुई क्योंकि उन्होंने मुख्यमंत्री रहते हुए पद का दुरूपयोग किया. अब जनता समझ गई, चेहरे का नकाब हट गया. वह खुद चुनाव हारे और पूरी पार्टी को डूबा दिया.

नगर निगम चुनाव में मुख्यमंत्री विष्णुदेव का विशाल रोड शो मीनल चौबे के पक्ष में प्रचार

हमने सदैव जनता से किए वादे सिरे से पूरे किए: सीएम साय

रायपुर । नगर निगम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की महापौर प्रत्याशी मीनल चौबे के लिए जनसमर्थन और आशीर्वाद मांगने छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी में जन आशीर्वाद यात्रा रोड शो में शामिल हुए । मुख्यमंत्री साय दोपहर रायपुर ग्रामीण विधानसभा अंतर्गत भनपुरी चौक पहुंचे, जहां से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, कैबिनेट मंत्री राम विचार नेताम , सांसद और चुनाव संचालक बृजमोहन अग्रवाल, चुनाव सहसंचालक व विधायक राजेश मूणत, विधायकगण सुनील सोनी, मोतीराम साहू ,पुरंदर मिश्रा और रायपुर नगर निगम से भाजपा महापौर प्रत्याशी मीनल चौबे , सहित अन्य भाजपा नेता प्रचार रथ में सवार होकर जन आशीर्वाद रैली के माध्यम से रायपुर शहर की जनता से रायपुर निगम में महापौर हेतु मीनल चौबे और भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान का

आशीर्वाद मांगा।

जन आशीर्वाद यात्रा रैली के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित किया, उन्होंने कहा कि हमारा प्रदेश छत्तीसगढ़ ,ना सिर्फ हम छत्तीसगढ़ वासियों का अपितु भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई के सपनों का प्रदेश है। उनका स्वप्न था कि छत्तीसगढ़ को देश के उत्कृष्ट राज्यों में शामिल करना है प्रदेश के सर्वांगीण विकास जैसे अधोसंरचना , शिक्षा , स्वास्थ्य बेहतर जीवन शैली , आधुनिकीकरण जैसी विभिन्न सुविधाओं से संपन्न प्रदेश का निर्माण अटल जी का स्वप्न था और इसलिए भारतीय जनता पार्टी का मुख्य स्लोगन है ,हमने बनाया है हम ही संवारेंगे और रायपुर नगर निगम को लेकर भी हमारा लक्ष्य है देश की सर्वश्रेष्ठ नगर निगम में शुमार करना है और निश्चित ही हम रायपुर नगर निगम को देश के मेट्रो शहरों की तर्ज पर विकसित करने की योजना बना रहे है हमने सदैव जनता से किए वादे सिरे से पूरे किए हैं चाहे बात महतारी वंदन योजना की हो , किसानों को बोनस देने की या गरीब के सर पर पक्की छत का सपना पूरा करने की हमने हर वादे को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी ।आज प्रदेश के धर्म प्रेमियों को हम रामलला दर्शन योजना के माध्यम से हजारों प्रदेश वासियों को निशुल्क अयोध्या में निर्मित भव्य राम मंदिर का दर्शन करवाया ।उन्होंने आगे कहा कि आप रायपुर नगर निगम में भाजपा प्रत्याशी मीनल चौबे और भाजपा पार्षदों को जीत का आशीर्वाद दीजिए और रायपुर नगर निगम के सर्वांगीण विकास की जिम्मेदारी हमारे कंधों पर छोड़िए। हम रायपुर निगम को नए सिरे से संवारेंगे और जन सुविधाओं को तरस रही रायपुर निगम की जनता को उत्कृष्ट सुविधाएं मुहैया करवाना हमारी प्राथमिकता है ।

रायपुर के लोकप्रिय नेता लोकसभा सांसद और नगर निगम रायपुर चुनाव संचालक बृजमोहन अग्रवाल भी आज जन आशीर्वाद रैली में जनता से नगर निगम चुनाव में भाजपा प्रत्याशी मीनल चौबे और पार्षदों के पक्ष में मतदान स्वरूप आशीर्वाद की अपील की। उन्होंने कहा कि आप सभी ने दशकों तक मुझे अपरिमिति प्रेम , सहयोग और आशीर्वाद से सराहा है मुझे लगातार रायपुर का नेतृत्व करने का अवसर प्रदान किया है। भारतीय जनता पार्टी पर जनता का भरोसा दिनों दिन प्रगाढ़ होते जा रहा है पंचायत से सदन तक भाजपा के प्रत्याशी जनता की पहली पसन्द बन चुके हैं। और उसका प्रत्यक्ष प्रमाण दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे हैं जहां दिल्ली की जनता ने सभी दलों को नकारते हुए भाजपा को पूर्ण बहुमत प्रदान किया और यह भरोसा हमने अर्जित किया है। आज आप सभी से हमारा वादा है कि मीनल चौबे के नेतृत्व में रायपुर नगर निगम को देश की उत्कृष्ट नगर निगम बना कर रहेंगे ।

अब पूरे देश में कांग्रेस पार्टी अप्रासंगिक हो गई है: किरण देव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरणदेव सिंह ने दिल्ली में भाजपा की रिकार्ड जीत और प्रचंड बहुमत से सरकार बनाने के लिए जनता का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने दिल्ली में रिकार्ड जीत दर्ज करते हुए सरकार बनाने जा रही है। मोदी जी की गारंटी पर दिल्लीवासियों ने भरोसा जताते हुए आपदा बन चुकी भ्रष्टाचार में संल्पित आम आदमी पार्टी को नाकार दिया है। प्रधानमंत्री मोदी नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित बनाने के संकल्प और लक्ष्य के साथ देशवासी अब एकजूट हो गए हैं। इसका प्रमाण है कि दिल्ली में भाजपा की बड़ी और प्रचंड जीत। किरणदेव सिंह ने कहा कि परिवारवाद और निजी स्वार्थ की नींव पर खड़ी पार्टियां जनता के बीच अस्वीकार्य हो गई हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी दिल्ली ही नहीं पूरे देश में अप्रसांगिक हो गई है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण है कि जहां पीएम मोदी देश के मान-सम्मान को विश्व स्तर पर नई ऊंचाइयों पर लेकर गए हैं और भारत को विश्व गुरु के रूप में स्थापित किया है,वहीं कांग्रेस पार्टी के नेता और राहुल गांधी भारत की छवि को विदेशों में धूमिल करने में जुटे हैं और देश में भारतीय लोकतंत्र और संविधान के नाम दुष्प्रचार और प्रोपोगंडा फैलाने में लगे हुए थे। जिसे दिल्ली की जनता ने लोकसभा और विधानसभा के चुनाव में भी नाकार दिया है। अब कांग्रेस और इनकी सहयोगी पार्टियों के किसी भी दुष्प्रचार और झूठे वादों के झांसे में किसी भी राज्य की जनता नहीं आने वाली है। किरणदेव सिंह ने कहा जहां भी कांग्रेस और इनकी सहयोगी पार्टियों की सरकारें आती हैं, वहां सिर्फ देश को लूटने का काम करती हैं।

किसानों को किश्तों में पैसा देकर ब्याज खाती थी भूपेश सरकार

रायपुर। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कहा है कि मोदी की गारंटी गारंटी पूरा होने की गारंटी है, और भारतीय जनता पार्टी की साय सरकार अपने सारे वादे पूरे कर रही है। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस की भूपेश सरकार किसानों का पैसा देने में कितना हीलहवाला करती थी, और उनके धान व अंतर की राशि किस्तों में देती थी। लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने किसानों को एकमुश्त राशि देने का वादा किया और उसे पूरा कर रही है।

इस वर्ष 31 जनवरी को धान खरीदी पूर्ण हुई और किसानों के खाते में उनके धान भुगतान और अंतर की राशि एकमुश्त जमा हो गई। एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में प्रेस ब्रीफ में शर्मा ने पत्रकारों को बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश की भाजपा सरकार ने रिकॉर्ड धान खरीदी कर रिकॉर्ड बनाया और धान के अंतर राशि किसान समृद्धि के योजना के तहत 12 हजार करोड़ रु. और उसके अतिरिक्त धान के 34,400 करोड़ रु. भी जारी किया है।

भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा सरकार द्वारा किसानों को समयबद्ध भुगतान होने पर भी कांग्रेस के लोगों को तकलीफ हो रही है। कांग्रेस सरकार किसानों का पैसा रोककर उसका ब्याज खाती थी। अब ब्याज का यह पैसा कहाँ पहुँचता था, यह पूरा प्रदेश जानता है। प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा पिछले 14 महीने में किसानों को किए गए भुगतान का विस्तार से ब्योरा देते हुए शर्मा ने बताया कि धान मूल्य का 34,300 करोड़ रु., 12 हजार करोड़ रु. किसान समृद्धि योजना योजना, 550 करोड़ भूमिहीन किसानों को दिया।

हार के डर से भाजपा शराब, पैसा बांटने में लगी : कांग्रेस

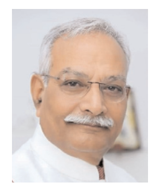

रायपुर । बड़ी मात्रा में शराब पकड़ी जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने कहा कि भाजपा सत्ता और भ्रष्टाचार के पैसे का दुरुपयोग करके चुनाव प्रभावित करने में लगी है। बेमेतरा-सिमगा मार्ग में पकड़ाई शराब भी चुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से भाजपा ने मंगाया था। सत्ता में बैठी हुई भाजपा को पता चल चुका है कि प्रदेश में उसकी सरकार के खिलाफ वातावरण है जनता भाजपा के पक्ष में मतदान नहीं करेगी। 1 साल में साय सरकार जनता में अलोकप्रिय हो चुकी है। चुनाव में संभावित हार से घबराकर भाजपा शराब पैसा वितरित कर रही है। बिना सरकार के संरक्षण के राज्य की राजधानी के समीप सिमगा तक 700 पेटी शराब से भरा कंटेनर दूसरे राज्य तक कैसे पहुंच गया। चुनाव आयोग राज्य सरकार से पूछताछ करे।

विधानसभा चुनाव के समय भाजपा ने जनता से जो वादा किया था, एक साल में उसको पूरा नहीं किया है। न 500 रू. सिलेंडर देने का वादा पूरा किया और न ही 18 लाख आवास देने का वादा पूरा किया।

सरकार ने एक साल में हर वर्ग को धोखा दिया: भूपेश बघेल

महापौर प्रत्याशी दीप्ति दुबे और वार्ड प्रत्याशियों के लिये किया चुनाव प्रचार

रायपुर। रायपुर में चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा अवसर आ गया कि वादाखिलाफ़ी वाली भाजपा सरकार से हिसाब लेने का। पिछले एक साल में भाजपा की सरकार ने हर वर्ग को धोखा दिया। किसान, युवा, आदिवासियों, अनुसूचित जाति, ओबीसी, सामान्य हर वर्ग के कल्याण के लिये कांग्रेस सरकार जो योजना चलाती थी भाजपा ने सब बंद कर दिया। चुनाव देख कर फिर से महतारी वंदन का फार्म भरवा रहे है, एक साल में एक भी आवास नहीं बनाया। अब लोगो को धोखा देने प्रधानमंत्री आवास का फार्म भरवा रहे है। एक साल में न महतारी की याद आई और न आवासहीनो की याद आई ।उन्होंने रायपुर के महापौर प्रत्याशी दीप्ति दुबे और वार्डो के कांग्रेस प्रत्याशियों को जिताने की अपील करते हुए कहा कि नगर निगम चुनाव महत्वपूर्ण है आप लोग विधायक, सांसद चुनते है लेकिन आपके रोजमर्रा के काम पार्षद और मेयर करते है। पांच साल में ज़ब हमारी सरकार थी और अब भाजपा की सरकार है।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.